



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 219]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 31, 2010/भाद्र 9, 1932

No. 219]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 31, 2010/BHADRA 9, 1932

गोवा राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग

अधिसूचना

गुडगांव, 5 अगस्त, 2010

सं. जेईआरसी-13/2010.—गोवा राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) की धारा 52 के साथ पठित धारा 181 के अधीन निहित शक्तियों और इस निमित्त सामर्थ्यकारी अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए अंतः राज्यिक व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए पात्रता मानदंड, विद्युत व्यापारी के कर्तव्यों और अन्य संबंधित विषयों को विनिर्दिष्ट करते हुए निम्नलिखित विनियम बनाता है :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार तथा प्रारंभ

- (i) इन विनियमों का नाम गोवा राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत व्यापार) विनियम, 2010 है।
- (ii) ये विनियम संपूर्ण गोवा राज्य तथा अंदमान और निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप और पुडुचेरी संघ राज्य क्षेत्रों में विस्तारित हैं।
- (iii) ये विनियम, सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं और निर्वचन

- (i) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :
 - (क) “अधिनियम” से विद्युत अधिनियम, 2003 (2003 का 36) अभिप्रेत है;
 - (ख) “करार” से व्यापार संव्यवहार को समर्थ बनाने वाले विद्युत व्यापारी द्वारा विद्युत के विक्रेता, विद्युत के क्रेता, अन्य अनुज्ञप्तिधारियों के साथ किया गया करार अभिप्रेत है;

- (ग) “आवेदक” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने विद्युत में व्यापार करने के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु आयोग को आवेदन किया हो;
- (घ) “आयोग” से गोवा राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग अभिप्रेत है;
- (ङ) “कारबार के संचालन विनियम” से समय-समय पर यथा संशोधित गोवा राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (कारबार का संचालन) विनियम 2009 अभिप्रेत हैं;
- (च) “ग्राहक” से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो व्यापारी से विद्युत का क्रय करे और इसमें वितरण अनुज्ञप्तिधारी, कोई अन्य व्यापारी और कोई उपभोक्ता सम्मिलित हैं;
- (छ) समय के किसी बिंदु पर “शुद्ध मूल्य” को संदत्त पूंजी (शेयर प्रीमियम सहित) धन मुक्त आरक्षति (अमूर्त आस्तियों और पुनःमूल्यांकन, यदि कोई हो, को अपवर्जित करते हुए) ऋण आस्थगित राजस्व व्यय के रूप में परिभाषित किया गया है;
- (ज) “अन्य कारबार” से व्यापार के अनुज्ञप्त कारबार से भिन्न व्यापारी का अन्य कारबार अभिप्रेत है;
- (झ) “तिमाही” से ऐसी तीन मास की अवधि अभिप्रेत है जो किसी वित्तीय वर्ष में अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर या जनवरी के पहले दिन से प्रारंभ होकर क्रमशः जून, सितम्बर, दिसम्बर या मार्च के अंतिम दिन समाप्त होती है;
- (ञ) “व्यापारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे विद्युत में व्यापार करने के लिए इस विनियम के अधीन अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है।
- (ii) इन विनियमों में प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो इन विनियमों में परिभाषित नहीं हैं, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, वही अर्थ होंगे जो उन्हें अधिनियम में समनुदेशित किए गए हैं।

3. विद्युत व्यापारी के रूप में अर्हित होने के लिए तकनीकी अपेक्षाएं

3.1 आवेदक के पास कम से कम निम्नलिखित संसाधन होने चाहिए :

- 1) सुसंगत अर्हताओं और (क) विद्युत प्रणाली प्रचालनों, और (ख) वित्त तथा वाणिज्य के अनुभव और ज्ञान के साथ विशेषज्ञ और कुशल कर्मचारिवृंद;
- 2) टेलीफोन, फ़ैक्स, कम्प्यूटर जैसी पर्याप्त संचार सुविधाओं के साथ पर्याप्त कार्यालय क्षेत्र, और इंटरनेट सुविधाएं; और
- 3) अपने व्यापार के संबंध में सभी आवश्यक सूचना प्रविष्ट करने के लिए उसकी अपनी वेबसाइट।

3.2 उपरोक्त विनियम 3.1 में यथा वर्णित नियोजित संसाधनों के संबंध में आवेदक के तकनीकी सामर्थ्य का निर्धारण करने के लिए वह आयोग को निम्नलिखित जानकारी आवेदन के साथ प्रस्तुत करेगा :

- (1) विशेषज्ञों की संख्या, उनकी शैक्षिक अर्हताओं का सार और विद्युत उद्योग/बाजार में अनुभव और उसका ज्ञान तथा प्रणाली के प्रचालन एवं वाणिज्यिक संव्यवहारों की समझ तथा प्रत्येक कार्मिक के अनुभव के वर्षों की संख्या;
- (2) प्रमुख कर्मचारिवृंद, उनकी अर्हताओं और कारबारी कौशल के ब्यौरे; और
- (3) कार्यालय और संचार सुविधाओं तथा वेबसाइट के ब्यौरे।

3.3 आवेदक आयोग के समाधानप्रद रूप में यह प्रमाणित करेगा कि आवेदक द्वारा प्रदर्शित तकनीकी सामर्थ्य और संसाधन व्यापार की आशयित मात्रा का प्रबंध करने के लिए पर्याप्त हैं।

3.4 व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति का आवेदन करते समय आवेदक तकनीकी अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा :

परंतु यह कि आयोग, व्यापार किए जाने के पूर्व, उपरोक्त विनियम 3.1 और 3.2 के अनुसरण में, आवेदक को, उसके द्वारा तकनीकी अपेक्षाओं के ब्यौरे प्रस्तुत करने और उनका अनुपालन प्रदर्शित करने के अधीन रहते हुए व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान कर सकेगा।

4. व्यापारी के रूप में अर्हित होने के लिए वित्तीय अपेक्षाएं

- 4.1 आवेदन करते समय, आवेदक, आयोग को आवेदक के उपार्जन का पूर्ववृत्त, तुलनपत्र, नकद प्रवाह, निधि व्यवस्था और जोखिम प्रबंध युक्ति प्रस्तुत करेगा जो यह प्रदर्शित करेंगे कि आवेदक ने नीचे विनियम 4.3 के अनुसार शुद्ध मूल्य की अपेक्षाएं पूरी कर ली हैं।
- 4.2 व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति का आवेदन करने के पूर्व वित्तीय अपेक्षाओं का अनुपालन किया जाएगा।
- 4.3 किसी भी समय व्यापारी/आवेदक की शुद्ध मूल्य अपेक्षाएं निम्नलिखित स्तरों से कम नहीं होंगी :

क्रम सं.	प्रवर्ग	वार्षिक व्यापार मात्रा (एमयू)	अधिकतम क्षमता (एमडब्ल्यू)	शुद्ध मूल्य* (करोड़ रुपए में)
1	क	80 तक	25 तक	2.50
2	ख	>80 और 160 तक	>25 और 50 तक	5.00
3	ग	>160 और 320 तक	>50 और 100 तक	10.00
4	घ	>320 और 480 तक	>100 और 150 तक	15.00
5	ङ	>480 और 640 तक	>150 और 200 तक	20.00
6	च	>640	>200	25.00

*शुद्ध मूल्य का अर्थ संदत्त पूंजी और मुक्त आरक्षति (पुनः मूल्यांकन, यदि कोई हो, को विचार में लिए बिना) ऋण अग्रनीत की गई हानियां और अपलिखित न किए गए प्रकीर्ण व्ययों के रूप में लगाया जाएगा।

शुद्ध मूल्य की लागू रकम का अवधारण ऊर्जा या क्षमता, इनमें से जो उच्चतर हो, में, व्यापार की मात्रा के आधार पर किया जाएगा।

5. व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति प्रदान करने की प्रक्रिया

आयोग द्वारा किसी व्यापारी के अनुज्ञप्ति प्रदान करने की प्रक्रिया, इस समय प्रवृत्त आयोग के कारबार संचालन विनियमों के उपबंधों के साथ पठित इन विनियमों द्वारा शासित होगी। दो के मध्य विभेद होने की दशा में, जहां तक व्यापार के लिए अनुज्ञप्ति का संबंध है, इन विनियमों के उपबंध अभिभावी होंगे।

5.1 अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन

- 1) व्यापार में आने की इच्छा करने वाला कोई व्यक्ति, अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए परिशिष्ट 2 में विनिर्दिष्ट प्ररूप में और आयोग के निदेशानुसार रीति में तथा ऐसी फीस के साथ जो "समुचित सरकार" द्वारा इस प्रयोजन के लिए विहित की जाए, आयोग को आवेदन करेगा।
- 2) सामान्य शर्तें, जिनके अधीन अनुज्ञप्ति जारी की जाएगी, इन विनियमों के परिशिष्ट 3 में अंतर्विष्ट हैं और अनुज्ञप्तिधारी पर ये शर्तें आबद्धकर होंगी, सिवाए उस सीमा तक जब आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से छूट दी गई हो।
- 3) परिशिष्ट-3 में विनिर्दिष्ट सामान्य शर्तें, अधिनियम की धारा 14 के तीसरे और पांचवें परंतुक के अधीन समझे गए अनुज्ञप्तिधारियों सहित व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए सभी आवेदकों को लागू होंगी।
- 4) आयोग, सामान्य शर्तों के अलावा, ऐसी विशिष्ट शर्तें विनिश्चित कर सकेगा जिनके अधीन आवेदक को अनुज्ञप्ति जारी की जाएगी।
- 5) अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करने की इच्छा करने वाला कोई व्यक्ति, आयोग द्वारा इन विनियमों में अधिकथित शर्तों और अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।
- 6) अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन, अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के अनुसरण में तथा आयोग के (कारबार का संचालन) विनियम, 2009 के परिशिष्ट-2 के रूप में संलग्न प्ररूप में किया जाएगा और वह प्राधिकृत व्यक्ति के शपथ पत्र द्वारा समर्थित होगा।

- 7) अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन के साथ, आवेदन पत्र (परिशिष्ट-2) के भाग-ख के अनुसार उपलब्ध कराए जाने के लिए अपेक्षित दस्तावेज और विशिष्टताएं होंगी।
- 8) अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन में इन विनियमों के परिशिष्ट-3 में यथा अंतर्विष्ट अनुज्ञप्ति की सामान्य शर्तों से प्रस्तावित विचलन, यदि कोई हो, के ब्यौरे विनिर्दिष्ट रूप से दिए जाएंगे।
- 9) आवेदक, सम्यक् रूप से तकनीकी अपेक्षाओं, पूंजी पर्याप्तता अपेक्षाओं और उधार पात्रता को पूरी करेगा और इन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट ऐसे कर्तव्यों के निर्वहन के लिए भी सहमत होगा।
- 10) आवेदन, इसके सभी उपाबंधों और संलग्नकों के साथ हार्ड प्रति में और इलैक्ट्रॉनिक रूप में आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा।

5.2 आवेदन की अभिस्वीकृति : आवेदन प्राप्त होने पर आयोग का प्राप्ति अधिकारी उस पर प्राप्त होने की तारीख डालेगा और आवेदक को प्राप्त किए जाने की तारीख बताते हुए अभिस्वीकृति भेजेगा।

5.3 दस्तावेजों, आदि का सार्वजनिक निरीक्षण सुकर बनाना :

- (1) आवेदक अपने कार्यालय या ऐसे अन्य स्थान पर जैसा कि आयोग द्वारा अभिहित किया जाए, परिशिष्ट-2 में निर्दिष्ट आवेदन और उसके साथ लगाए गए दस्तावेजों की प्रतियां जनता के निरीक्षण के लिए रखेगा और आवेदन करने वाले व्यक्तियों को उनकी प्रतियां ऐसी कीमत पर उपलब्ध कराएगा जो सामान्य फोटो प्रति प्रभारों से अधिक न हों;
- (2) आवेदक पूर्ण आवेदन इसके उपाबंधों और संलग्नकों के साथ अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराएगा।

5.4 अतिरिक्त जानकारी का मांगा जाना :

आयोग या इसका सचिव या आयोग द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित अन्य अधिकारी, आवेदक की जांच करने के पश्चात्, विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर आवेदक से ऐसी अतिरिक्त

जानकारी या विशिष्टियां या दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा, जो आयोग को आवेदन पर कार्यवाही करने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत हों।

5.5 आवेदन की सूचना का प्रकाशन :

- (1) आवेदक, ऐसा आवेदन करने के पश्चात् 7 दिनों के भीतर अपने आवेदन की सूचना ऐसी विशिष्टियों के साथ जैसाकि परिशिष्ट-1 में उल्लिखित हैं, सार्वजनिक विज्ञापन द्वारा कम से कम दो ऐसे समाचार पत्रों में प्रकाशित कराएगा, जिनका, यथास्थिति, गोवा राज्य या संघ राज्यक्षेत्र (त्रों) में व्यापक प्रचार हो।
- (2) प्रकाशन में, आवेदनपत्र में दिए गए तत्समानी संक्षिप्त नाम को शीर्षक बनाया जाएगा और ऐसे कार्यालयों के पते दिए जाएंगे जहां पर आवेदन और उसके साथ प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सके और उनकी प्रतियां, क्रय की जा सकें और इसमें यह कथन भी किया जाएगा कि अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए उक्त आवेदन के संबंध में प्रतिवेदन या आपत्ति करने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति, प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के भीतर, आवेदक को एक प्रति भेजते हुए आयोग के सचिव को पत्र लिख सकेगा।
- (3) आवेदक यह प्रयास करेगा कि उपरोक्त सूचना का प्रकाशन सभी समाचारपत्रों में साथ-साथ एक ही दिन किया जाए। सूचना को विभिन्न समाचारपत्रों में विभिन्न तारीखों को प्रकाशित किए जाने की स्थिति में, अंत में सूचना के प्रकाशन की तारीख को सूचना के प्रकाशन की तारीख समझा जाएगा।

5.6 आपत्तियां

अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के संबंध में, आपत्ति करने का इच्छुक कोई व्यक्ति, आवेदक द्वारा सूचना प्रकाशित किए जाने की तारीख से 30 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां आयोग के सचिव के पास फाइल करेगा और उसकी एक प्रति आवेदक को भेजेगा।

- (1) उक्त प्रकाशन के जवाब में प्राप्त सभी आपत्तियों को आयोग, अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराएगा।

5.7 आपत्तियों के प्रति आवेदक का उत्तर

आवेदक आयोग की वेबसाइट से भी आपत्तियां प्राप्त कर सकता है। आवेदक, सूचना प्रकाशित होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर, सूचना के जवाब में प्राप्त आपत्तियों या सुझावों पर अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, आयोग में फाइल करेगा।

5.8 अनुज्ञप्ति प्रदान करना

- (1) आवेदक, उपरोक्तानुसार सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर एक शपथपत्र पर, प्रकाशित सूचना के ब्यौरे उन समाचारपत्रों की प्रतियों के साथ जिनमें सूचना प्रकाशित की गई है, आयोग को प्रस्तुत करेगा।
- (2) आवेदन की सूचना को आवेदक द्वारा प्रकाशित किए जाने के पश्चात् तथा प्राप्त आपत्तियों, यदि कोई हों, पर विचार किए जाने के पश्चात्, आयोग अनुज्ञप्ति प्रदान करने या इन्कार करने के लिए अनंतिम रूप से विनिश्चित कर सकेगा और यदि वह अनुज्ञप्ति प्रदान करने का विनिश्चय करता है तो वह ऐसा ऐसे विशिष्ट निबंधनों और शर्तों पर और सामान्य शर्तों में ऐसे उपांतरणों के साथ कर सकेगा जैसाकि आयोग विनिश्चित करे।
- (3) जब आयोग अनुज्ञप्ति प्रदान करने का विनिश्चय करता है, तो आयोग उस व्यक्ति के नाम और पते और ऐसे अन्य ब्यौरों, जो आवश्यक हों, की सूचना प्रकाशित करेगा जिसे वह अनुज्ञप्ति प्रदान करना चाहता है तथा जनता से सुझावों/आपत्तियों की ईप्सा करेगा और उन लोगों के लिए सुनवाई की तारीख भी उपदर्शित करेगा जो व्यक्तिगत रूप से सुने जाने चाहते हैं।
- (4) सभी सुझावों/आपत्तियों पर विचार करने के पश्चात् और सुने जाने के इच्छुक व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से सुनने के पश्चात्, आयोग अंततः यह विनिश्चित कर सकेगा अनुज्ञप्ति प्रदान की जाए या उससे इन्कार किया जाए।
- (5) यदि आयोग अनुज्ञप्ति प्रदान करता है, तो आयोग का सचिव, अनुज्ञप्ति जारी करने के तुरंत पश्चात् अनुज्ञप्ति की एक-एक प्रति राज्य सरकार, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग और ऐसे अन्य व्यक्तियों को अग्रेषित करेगा जैसाकि आयोग आवश्यक समझे।

5.9 अनुज्ञप्ति से इन्कार

यदि आयोग अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए आनत नहीं है तो आयोग, आवेदन रद्द करने के पूर्व, आवेदक को व्यक्तिगत रूप से सुने जाने का अवसर देगा।

5.10 अनुज्ञप्ति के प्रारंभ की तारीख

अनुज्ञप्ति उस तारीख से प्रारंभ होगी जैसाकि आयोग अनुज्ञप्ति प्रारंभ होने की तारीख का निदेश दे।

5.11 अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण

- (1) अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण के लिए कार्यवाहियां और/या अधिनियम की धारा 19 के अधीन कोई अन्य आदेश आयोग द्वारा एक आदेश के माध्यम से आरंभ किए जाएंगे। आयोग ऐसी कार्यवाहियां स्वप्रेरणा से या अनुज्ञप्तिधारी के आवेदन पर या किसी व्यक्ति से कोई शिकायत अथवा सूचना प्राप्त होने पर आरंभ कर सकेगा।
- (2) आयोग, अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण के लिए कार्यवाहियों की सूचना अनुज्ञप्तिधारी और ऐसे अन्य व्यक्ति, प्राधिकारी या निकाय को देगा जैसाकि आयोग समुचित समझे।
- (3) अधिनियम के उपबंधों और उसमें विहित प्रक्रिया के अधीन रहते हुए अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण के लिए आयोग द्वारा जांच, जहां तक वह लागू हो, उसी रीति में की जाएगी जैसाकि इस समय प्रवृत्त आयोग के कारबार का संचालन विनियम, 2009 में उपबंधित है।
- (4) यदि आयोग अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहृत करने का विनिश्चय करे तो आयोग प्रतिसंहरण आदेश की सूचना ऐसी तारीख बताते हुए अनुज्ञप्तिधारी को देगा जब से ऐसा प्रतिसंहरण प्रभावी होगा।

- (5) आयोग, अनुज्ञप्ति प्रतिसंहृत करने के स्थान पर ऐसे निबंधन या शर्तें अधिरोपित करते हुए कोई अन्य आदेश पारित कर सकेगा जिनके अधीन अनुज्ञप्तिधारी को उसके पश्चात प्रचालन अनुज्ञात किया जाए।

5.12 अनुज्ञप्ति का संशोधन

- (1) आवेदक द्वारा अधिनियम की धारा 18 के अधीन अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों का संशोधन करने के लिए आवेदन याचिका के रूप में किया जा सकेगा जैसा कि इस समय प्रवृत्त आयोग के कारबार संचालन विनियम, 2009 में उपबंधित है और इसके साथ प्रस्तावित संशोधन का कथन और लागू फीस सम्यकतः दिए जाएंगे।
- (2) आवेदक, संशोधन के लिए आवेदन की तारीख से सात दिनों के भीतर स्वीकृति और प्रस्तावित संशोधन (नों) की संख्या, प्रस्तावित संशोधन (नों) के लिए कारण, प्रदत्त अनुज्ञप्ति के अधीन अनुज्ञप्तिधारी के कृत्यों के निर्वहन पर प्रस्तावित संशोधन (नों) का प्रभाव, ऐसे कृत्यों के निर्वहन के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक व्यवस्था, यदि कोई हो, और ऐसी अन्य विशिष्टियाँ, जैसाकि आयोग निदेश दे, का संक्षिप्त विवरण देते हुए, एक सूचना प्रकाशित करेगा।
- (3) विनियम 5.12 (2) के अधीन उपरोक्त प्रकाशन में ऐसे कार्यालयों के पते दिए जाएंगे जहाँ संशोधनों के लिए आवेदन का निरीक्षण किया जा सके और जहाँ से दस्तावेजों की प्रतियाँ क्रय की जा सकें और यह भी बताया जाएगा कि आवेदन के संबंध में प्रतिवेदन करने का इच्छुक प्रत्येक स्थानीय प्राधिकरण, उपयोगिता या व्यक्ति, प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के भीतर आयोग के सचिव को संबोधित एक पत्र लिखकर ऐसा कर सकता है।
- (4) यदि आयोग, किसी अनुज्ञप्तिधारी को प्रदत्त अनुज्ञप्ति के निबंधनों या शर्तों में संशोधन का प्रस्ताव स्वप्रेरणा से करे, तो आयोग, प्रस्तावित संशोधन (नों), प्रस्तावित संशोधनों (नों) के कारण, प्रदत्त अनुज्ञप्ति के अधीन अनुज्ञप्तिधारी के कृत्यों के निर्वहन पर प्रस्तावित संशोधन (नों) का प्रभाव, ऐसे कृत्यों के निर्वहन के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक व्यवस्था, यदि कोई हो, और ऐसी अन्य विशिष्टियाँ, जैसाकि आयोग समुचित समझे, का संक्षिप्त विवरण देते हुए प्रस्तावित संशोधन (नों) की एक सूचना प्रकाशित करेगा।

- (5) अनुज्ञप्ति के संशोधन के लिए किसी आवेदन पर विचार करते समय, जब तक आयोग द्वारा लिखित रूप से अन्यथा विनिश्चित न किया जाए, अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए इन विनियमों में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया का, जहां तक लागू हो सके, अनुसरण किया जाएगा।

6. व्यापारी के कर्तव्य और बाध्यताएं

6.1 व्यापार संव्यवहारों से संबंधित कर्तव्य

- (1) विद्युत के क्रय और विक्रय के लिए व्यापारी सभी करार और आवश्यक संबंधित प्राधिकार और व्यवस्थाएं करेगा जो अनुज्ञप्ति के अधीन उसकी बाध्यताओं के निर्वहन के लिए अपेक्षित हों। व्यापार के माध्यम से विद्युत के प्रदाय के संबंध में आवश्यक रक्षोपाय या व्यापार की गई विद्युत के लिए संदाय को पक्षकारों के मध्य करारों में साम्मिलित किया जाएगा।
- (2) विद्युत के प्रवहण के लिए संबंधित प्रत्येक पारेषण अनुज्ञप्तिधारी और वितरण अनुज्ञप्तिधारी के साथ व्यापारी खुला पहुंच करार करेगा जब तक कि व्यापारी के ग्राहक या विद्युत प्रदायकर्ता ने ऐसा खुला पहुंच करार न किया हो।
- (3) ऐसे करार, अन्य बातों के साथ-साथ यह उपबंध करते हैं कि ऊर्जा का आदान-प्रदान, बिलिंग और संदाय आयोग द्वारा समय-समय पर अनुमोदित की जाने वाली बिलिंग और भुगतान संहिता के अनुसार किया जाएगा।
- (4) व्यापारी एक सुसंरचित संदाय सुरक्षा प्रणाली अर्थात् संबंधित पक्षकारों को आपस में स्वीकार्य प्रत्यय पत्रों या किसी अन्य वरिष्ठ लिखत के माध्यम से, की व्यवस्था करेगा।
- (5) व्यापारी अपने ग्राहकों और सभी कारबारी संव्यवहारों का एक अद्यतन रजिस्टर या अभिलेख रखेगा।
- (6) व्यापारी, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, अनुज्ञप्त कारबार के संबंध में व्यापारी को विद्युत संबंधी सामान या सेवाएं उपलब्ध कराने या विद्युत के प्रदाय के

लिए, अपनी किसी समनुषंगी या नियंत्री कंपनी अथवा ऐसी नियंत्री कंपनी की समनुषंगी को लगा सकेगा :

- क. संव्यवहार "उचित आधार" पर और ऐसे मूल्य पर किए जाएंगे जो प्रचलित परिस्थितियों में उचित और युक्तियुक्त हों;
 - ख. व्यापारी, वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए इस विनियम में निर्दिष्ट सभी संव्यवहारों की प्रकृति के ब्यौरों की रिपोर्ट हर वित्तीय वर्ष के संबंध में आयोग को प्रस्तुत करेगा;
 - ग. जहां तक विनियम 6.1(6) (ग) की उपरोक्त अपेक्षा के अनुपालन का संबंध है, व्यापारी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट से एक प्रमाणपत्र आयोग को प्रस्तुत करेगा; और
 - घ. व्यापारी, ऐसे प्रत्येक संव्यवहार के होने के एक सप्ताह के भीतर सभी संव्यवहारों के ब्यौरे उनकी वेबसाइट पर उपलब्ध कराएगा और इस तरह उपलब्ध कराए गए ब्यौरे कम से कम तीन मास की अवधि तक उपलब्ध रहेंगे।
- (7) व्यापारी, अनुज्ञप्ति के संबंध में आयोग द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को उसके कर्तव्यों का पालन करने के लिए हर प्रकार की सहायता उपलब्ध कराएगा।
 - (8) व्यापारी ऐसा कोई करार नहीं करेगा जिससे उसकी प्रधान स्थिति का दुरुपयोग होता हो या किसी ऐसे समुच्चय में प्रवेश नहीं करेगा जिससे विद्युत उद्योग में प्रतिस्पर्धा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो।

6.2 उपभोक्ताओं के प्रदाय के संबंध में कर्तव्य

- (1) व्यापारी, अपने कार्यालय में हमेशा अद्यतन विद्युत प्रदाय संहिता और प्रदाय के निबंधन और शर्तों की पर्याप्त संख्या में प्रतियां रखेगा और मांगे जाने पर, किसी भी आवेदक को ऐसी प्रतियां ऐसी कीमत पर विक्रय करेगा जो सामान्य फोटोकॉपी प्रभारों से अधिक न हो।

6.3 तकनीकी संसाधन, पूंजी पर्याप्तता और उधार पात्रता

- (1) व्यापारी, उपरोक्त विनियम 3 में विनिर्दिष्ट तकनीकी संसाधन बनाए रखेगा और किसी परिवर्तन के ब्यौरे कारण बताते हुए आयोग को उपलब्ध कराएगा कि सामर्थ्य है, बनाए रखा है, जो उसके व्यापार की मात्रा की मांग पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
- (2) यदि किसी वित्तीय वर्ष में व्यापारों के व्यापार की मात्रा व्यापार की विनिर्दिष्ट मात्रा से बढ़ती है तो व्यापारी उच्चतर प्रवर्ग में अपने जाने की सूचना तुरंत आयोग को देगा और अपने शुद्ध मूल्य में लागू स्तर तक वृद्धि करेगा जैसाकि विनियम 4.3 में विनिर्दिष्ट है और आने वाले 30 अप्रैल तक वर्ष के शेष भाग के लिए यथानुपात शेष अनुज्ञप्ति फीस का संदाय करेगा।
- (3) ऐसी घटना की रिपोर्ट न किए जाने की स्थिति में, आयोग उसकी अनुज्ञप्ति के निलंबन के अतिरिक्त, उपरोक्त विनियम 6.3(2) के अनुसार व्यापारी द्वारा देय अतिरिक्त अनुज्ञप्ति फीस के असंदाय/विलंबित संदाय के लिए विलंब संदाय अधिभार/ब्याज उद्ग्रहण करने के अलावा, अधिनियम की धारा 142 के निबंधनों में व्यापारी पर शास्ति उसी रीति में और उस दर पर लगा सकेगा जैसाकि नीचे विनियम 6.5(1) में विनिर्दिष्ट है।
- (4) व्यापारी उसकी बहियों में संपूर्ण अवधि तक रहने वाले सभी ऋणों के लिए निवेश श्रेणी प्रत्यय रेटिंग (किसी प्रमुख स्वतंत्र, प्रत्यय रेटिंग अभिकरण से प्राप्त) बनाए रखने के लिए युक्तियुक्त प्रयास करेगा।

6.4 अनुपालन और सूचना प्रस्तुतिकरण

- (1) व्यापारी, प्रत्येक तिमाही के अंत में ऐसे प्ररूप और रीति में, जैसा कि समय-समय पर आयोग द्वारा निदेश किया जाए, यह प्रदर्शित करने के लिए आयोग को सूचना उपलब्ध कराएगा कि उसने उपरोक्त विनियम 4.3 में उल्लिखित शुद्ध मूल्य मानदंड का अनुपालन किया है।

- (2) व्यापारी विनियमों, संहिताओं, आदेशों और निदेश पत्रों का अनुपालन करेगा जैसे-विद्युत वितरण में खुली पहुंच की चरणबद्धता पर विनियम, कार्य-निष्पादन के मानक, प्रदाय संहिता, बिलिंग संहिता और संतुलन तथा भुगतान संहिता आदि।
- (3) व्यापारी, आयोग को ऐसी सूचना प्रस्तुत करेगा जैसाकि व्यापारी के कार्य-निष्पादन की मानीटरिंग अनुज्ञप्ति के निबंधन और शर्तों के अनुपालन और कोई अन्य विधायी या विनियामक अपेक्षाओं के अनुपालन के लिए अपेक्षित हैं।
- (4) व्यापारी, राज्य भार प्रेषण केंद्र द्वारा जारी किसी निदेश का अनुपालन करेगा।
- (5) व्यापारी, आंकड़े और अपनी कारबार योजना वार्षिक रूप से और निवेदन किए जाने पर भी आयोग, राज्य पारेषण उपयोगिता और एसएलडीसी को उपलब्ध कराएगा।
- (6) जब तक इस आयोग द्वारा उपांतरित न किया जाए, अंतः राज्यिक व्यापार के लिए अधिनियम की धारा 86(1)(ज) के अधीन केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग द्वारा नियत व्यापार मार्जिन, इन विनियमों के अधीन अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने वाले व्यापारी को भी लागू होगा।
- (7) व्यापार मार्जिन अवधारण करने में आयोग को समर्थ बनाने के लिए व्यापारी ऐसे प्ररूप और ऐसी नीति में व्यौरे फाइल करेगा जैसाकि आयोग समय-समय पर अपेक्षा करे।
- (8) व्यापारी, यथा शीघ्र साध्य रूप से आयोग को रिपोर्ट करेगा :—

(क) उसकी परिस्थितियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन जिससे अधिनियम, नियम और विनियम, आयोग द्वारा जारी निदेशों/आदेशों, राज्यग्रिड संहिता, करारों या अनुज्ञप्ति के अधीन बाध्यताओं को पूरा करने की समर्थता पर प्रभाव पड़ सकता हो;

(ख) अधिनियम, नियमों और विनियमों के उपबंधों, आयोग द्वारा जारी निदेशों/आदेशों, राज्य ग्रिड संहिता, करार या अनुज्ञप्ति का कोई तात्विक भंग; और (ग) व्यापारी के शेयरधारण पैटर्न, स्वामित्व या प्रबंध में कोई बड़ा परिवर्तन।

6.5 वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस का संदाय

- (1) व्यापारी, संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग, गुड़गांव के पक्ष में किसी अनुसूचित बैंक की गुड़गांव (हरियाणा) शाखा में संदेय डिमांड ड्राफ्ट/संदाय आदेश द्वारा निम्नलिखित अप्रतिदेय वार्षिक (अप्रैल से मार्च) अनुज्ञप्ति फीस का संदाय आयोग को करेगा :

व्यापार अनुज्ञप्ति का प्रवर्ग	व्यापार किए जाने के लिए विद्युत की वार्षिक मात्रा	वार्षिक अनुज्ञप्ति फीस
क	50 एमयू तक	50,000 रुपए
ख	50 एमयू से अधिक और 100 एमयू तक	75,000 रुपए
ग	100 एमयू से अधिक और 200 एमयू तक	1.00 लाख रुपए
घ	200 एमयू से अधिक और 300 एमयू तक	1.50 लाख रुपए
ङ	300 एमयू से अधिक और 400 एमयू तक	2.00 लाख रुपए
च	400 एमयू से अधिक और 500 एमयू तक	2.50 लाख रुपए
छ	500 एमयू से अधिक	3.00 लाख रुपए

- (2) पहले वर्ष या उसके किसी भाग के लिए ऐसी फीस का संदाय प्रचालन प्रारंभ होने के पूर्व किया जाएगा परंतु यह कि वर्ष के किसी भाग के लिए अनुज्ञप्ति फीस दिनों की संख्या के आधार पर यथानुपात संदेय होगी।
- (3) पहली अप्रैल से प्रारंभ होने वाले पश्चातवर्ती वर्षों के लिए पूर्ण अनुज्ञप्ति फीस का संदाय वर्ष प्रारंभ होने के पूर्व किया जाएगा। व्यापारी द्वारा अनुज्ञप्ति फीस का संदाय समय से करने में असफल रहने की स्थिति में, व्यापारी, प्रति मास संदेय अनुज्ञप्ति फीस के 1.25% की दर से बकाया रकम पर विलंब संदाय अधिभार/ब्याज देने के लिए दायी होगा और उस अवधि के लिए जिसमें अनुज्ञप्ति फीस असंदत्त रहती है

और अन्य विशिष्टियों के ब्यौरे ऐसी रीति में जैसाकि आयोग समय-समय पर निदेशित करे।

- (4) उपरोक्तानुसार विलंब संदाय अधिभार देने का व्यापारी का दायित्व होने के बावजूद, अनुज्ञप्ति फीस के संदाय में विलंब का अर्थ अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों के भंग के रूप में लगाया जाएगा जिससे अनुज्ञप्ति मात्र इस आधार पर ही प्रतिसंहत किए जाने के लिए दायी होगी।

6. विद्युत व्यापारी के लेखे

- (1) व्यापारी अपने व्यापार कारबार के लिए पृथक् लेखा रखेगा, उन्हें समय-समय पर यथा संशोधित कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार तैयार करेगा और रखेगा एवं विशिष्टियों के ऐसे ब्यौरे ऐसी रीति में ऐसे समय तक देगा जैसाकि आयोग समय-समय पर निदेश दे और इस संबंध में आयोग द्वारा मार्गदर्शक सिद्धांत जारी किए जाएं।
- (2) व्यापारी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए संगत आधार पर लेखे अभिलेख लेखांकन विवरणों से तैयार करेगा जिसमें लाभ और हानि लेखा, तुलनपत्र और स्रोत का विवरण तथा उसके टिप्पणों सहित निधियों का उपयोजन होगा और उसमें ऐसे किसी भी राजस्व, लागत, आस्ति, दायित्व, आरक्षिति या प्रावधान की रकम पृथक् रूप से दर्शित करेगा जो, --
 - (i) किसी अन्य कारबार से या उसको उस प्रभार के आधार के विवरण के साथ प्रभारित की गई हो, और/या
 - (ii) प्रभाजन या आबंटन के आधार के वर्णन के साथ-साथ विभिन्न कारबार या क्रियाकलापों के बीच प्रभाजन या आबंटन द्वारा अवधारित की गई हो।
- (3) व्यापारी पूर्वगामी खंडों के अनुसार, प्रत्येक वर्ष के संबंध में लेखापरीक्षकों द्वारा रिपोर्ट के संबंध में, तैयार किए गए लेखांकन विवरण इस कथन के साथ उपलब्ध कराएगा कि क्या उनकी राय में विवरण पर्याप्त रूप से तैयार किए गए हैं और ऐसे कारबार, जिससे संबंधित वे विवरण हैं, से युक्तियुक्त रूप से हुए माने जा सकने वाले राजस्व, लागत, आस्तियों दायित्वों, आरक्षितियों और प्रावधानों का ठीक और स्पष्ट दृष्टिकोण देगा।

- (4) व्यापारी वर्ष, जिससे से संबंधित है, की समाप्ति के पश्चात छह मास से अन्यून के लेखांकन विवरणों और संपरीक्षकों की रिपोर्ट की प्रति आयोग को देगा।
- (5) आयोग, द्वारा प्राधिकृत कोई भी व्यक्ति व्यापारी के लेखाओं का निरीक्षण करने और उन्हें सत्यापित करने का हकदार होगा और व्यापारी ऐसे व्यक्ति को सभी आवश्यक सहायता देगा।

6.7 प्रतिषेध

- (1) व्यापारी, विद्युत के पारेषण के कारबार में नहीं लगेगा।
- (2) व्यापारी, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना अपनी अनुज्ञप्ति किसी व्यक्ति को विक्रय, पट्टे, विनिमय या अन्यथा द्वारा समनुदेशित या अंतरित नहीं करेगा।

6.8 जब कभी आयोग का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित हो, व्यापारी कारबार का संचालन विनियमों के अनुसार आयोग के समक्ष एक समुचित याचिका फाइल करेगा।

7. अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन

यदि व्यापारी द्वारा अनुज्ञप्ति के निबंधनों और शर्तों का उल्लंघन किया जाता है या उनके उल्लंघन की संभावना है तो आयोग ऐसे आदेश पारित कर सकेगा जैसाकि वह अधिनियम के उपबंधों के अनुसरण में उचित समझे।

8. निवारण प्रणाली

- (1) ऊर्जा बिलिंग और विद्युत से लेखांकन से संबंधित सभी विवाद और शिकायतें राज्य भार प्रेषण केंद्र को निर्दिष्ट किए जाएंगे जो 30 दिनों के भीतर शिकायतों के समाधान के लिए उनकी जांच कर सकेगा।
 - (i) यदि राज्य भार प्रेषण केंद्र 30 दिन की अवधि के भीतर किसी शिकायत का समाधान करने में असमर्थ रहता है तो यह स्वतः राज्य ग्रिड संहिता के अधीन

यथा सृजित राज्य विद्युत समिति को निर्दिष्ट हो जाएगी जो शिकायत का समाधान अगले 30 दिनों के भीतर करेगी।

(ii) यदि विवादों और शिकायतों का समाधान उपरोक्तानुसार नहीं होता है तो शिकायत को राज्य विद्युत समिति द्वारा आयोग के समक्ष रखा जाएगा।

(2) अनुज्ञप्तिधारियों के मध्य अन्य सभी विवाद प्रत्यक्षतः आयोग को निर्दिष्ट किए जाएंगे।

9. संशोधन करने की शक्ति

आयोग, किसी भी समय इन विनियमों के किसी उपबंध का परिवर्धन, परिवर्तन, फेरफार, उपांतरण, संशोधन या निलंबन कर सकेगा।

10. आदेश और व्यवहार निदेश जारी करना

अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए, आयोग, समय-समय पर, इन विनियमों के क्रियान्वयन, अपनाई जाने वाली प्रक्रिया आदि और अन्य मामलों के संबंध में, जहां आयोग को इन विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट करने या निदेश देने के लिए सशक्त किया गया है, आदेश और व्यवहार निदेश जारी कर सकेगा।

11. कठिनाइयां दूर करने की शक्ति

इन विनियमों के उपबंधों को क्रियान्वित करने में किसी कठिनाई के मामले में, आयोग ऐसी कठिनाई को साधारण या विशेष आदेश द्वारा, जो अधिनियम के उपबंधों के असंगत न हो और कठिनाई दूर करने के प्रयोजन के लिए आवश्यक प्रतीत हो, दूर कर सकेगा।

12. व्यावृत्ति - इन विनियमों में अंतर्विष्ट कोई भी बात, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 (1986 का 68) सहित इस समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन उपभोक्ता के अधिकारों और विशेषधिकारों को प्रभावित नहीं करेगी।

आयोग के आदेश द्वारा

जे. एस. सहरावत, सचिव

[विज्ञापन III/4/218-आई/10/असा.]

परिशिष्ट-1

- 1) ऊपर मोटे अक्षरों में आवेदक का नाम स्पष्ट रूप से यह बताते हुए कि क्या आवेदक एक व्यक्ति, भागीदारी फर्म, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित प्राइवेट लिमिटेड कंपनी या पब्लिक लिमिटेड कंपनी है, इसके कार्यालय पते और रजिस्ट्रीकृत कार्यालय के पते की पूरी विशिष्टियां दें यदि कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित कंपनी है।
- 2) इस आशय का एक विवरण कि आवेदक ने अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन व्यापार हेतु अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग में आवेदन किया है।
- 3) आवेदक का शेयरधारण पैटर्न, तकनीकी और वित्तीय सामर्थ्य तथा प्रबंध प्रोफाइल।
- 4) अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के पश्चात् पहले वर्ष के दौरान व्यापार किए जाने के लिए आशयित विद्युत की मात्रा और आगामी पांच वर्षों के दौरान व्यापार के लिए भावी योजनाएं।
- 5) आवेदक और वैसी ही तथा समान गतिविधि में उसके नियोजन और नियंत्रणाधीन कार्मिक के पूर्व अनुभव के ब्यौरे।
- 6) भौगोलिक क्षेत्र जिसके भीतर आवेदक विद्युत में व्यापार करेगा जैसाकि आयोग को किए गए आवेदन में कथित है।
- 7) इस आशय का एक कथन कि समय-समय पर आयोग के समक्ष फाइल किया गया आवेदन और अन्य दस्तावेज, किसी भी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण हेतु आवेदक के पास उपलब्ध हैं।
- 8) आवेदक के नियंत्रणाधीन उस व्यक्ति का नाम, पता और अन्य सुसंगत ब्यौरे, जिसके पास आवेदन और अन्य दस्तावेज, किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए रखे गए हैं।
- 9) इस आशय का एक कथन कि पूर्ण आवेदन, आवेदक की वेबसाइट पर उपलब्ध है और वेबसाइट का पता।
- 10) विनिर्दिष्ट रूप से यह उल्लेख कि आवेदक को अनुज्ञप्ति प्रदान करने के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हों, सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर इसकी एक प्रति आवेदक को भेजते हुए सचिव, गोवा राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग के पास फाइल की जा सकती हैं/को भेजी जा सकती हैं।

परिशिष्ट-2

गोवा राज्य और संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग

गोवा राज्य या संघ राज्यक्षेत्रों में व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के लिए आवेदन पत्र

आवेदक के पूर्ण आवेदन की छह प्रतियां, गुडगांव (हरियाणा) में संदेय गोवा राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट/संदाय आदेश के रूप में समुचित सरकार द्वारा यथाविहित केवल -----रुपए (------रुपए) की आवेदन फीस के साथ सचिव, गोवा राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग, दूसरा तल, एचएसआईआईडीसी कार्यालय परिसर, वाणिज्य निकुंज कॉम्पलेक्स, उद्योग विहार, चरण-V, गुडगांव-122016 को प्रस्तुत करनी चाहिए।

भाग-क : आवेदक के संबंध में साधारण जानकारी

1. आवेदक की विशिष्टियां

क. आवेदक का पूरा नाम :

ख. आवेदक का पूरा पता :

ग. संपर्क करने वाले व्यक्ति का नाम, पदनाम और पता :

घ. संपर्क टेलीफोन संख्या :

फैक्स संख्या :

ई-मेल आईडी :

2. स्वामित्व के ब्यौरे

क. कंपनी/फर्म/सहकारी समिति/व्यक्ति/अन्य (विनिर्दिष्ट करें) :

ख. निगमन/रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियां

निगमन/रजिस्ट्रीकरण का स्थान :

निगमन/रजिस्ट्रीकरण का वर्ष :

रजिस्ट्रीकरण संख्या :

ग. निदेशकों के नाम और पते :

3. प्रमुख शेयरधारक/भागीदार/सदस्य

4. (क) प्रचालन क्षेत्र के ब्यौरे

(ख) विद्युत पारेषण, वितरण या व्यापार के लिए
पहले से आवेदक को प्रदत्त विद्युत अनुज्ञप्तियों/
प्राधिकार, यदि कोई हों, की प्रकृति :

5. प्रचालन के ब्यौरे

प्रथम पांच वर्षों के लिए मासिक आधार पर
आवेदक द्वारा किए जाने के लिए प्रस्तावित
व्यापार की अधिकतम मात्रा

6. बाध्यताएं पूरी करने के लिए निधि व्यवस्था
(स्रोत और उपयोजन) :

7. ऊर्जा के क्रय के लिए व्यवस्था :

8. अन्य विद्यमान अनुज्ञप्तिधारियों के साथ
प्रस्तावित व्यवस्था, यदि कोई हो :

क. ब्यौरों के साथ संगठन का सार

ख. प्रबंध क्षमता

ग. वित्तीय सामर्थ्य

घ. धारणीय रीति में गतिविधियों में शामिल होने की समर्थता

9. पूर्व अनुभव (संबंधित कारबार के 5 वर्षों के ब्यौरे) :

[आवेदक द्वारा या (यथा लागू) जेवीसी/संकाय के मामले में पृथक रूप से प्रत्येक सहभागी द्वारा भरा जाए] :

साधारण जानकारी	
विकसित योजना (ओं) के नाम और पते	
विकसित परियोजना (ओं) का संक्षिप्त विवरण	
विकसित परियोजना (ओं) की लागत ----- लाख रुपए	
ग्राहकों के नाम और पते जिनके लिए परियोजना (एं) विकसित की गईं	
ग्राहकों के निर्दिष्ट व्यक्तियों के नाम, पदनाम और पते	

10. आवेदक के अन्य कारबार उद्यमों के वित्तीय ब्यौरे

[आवेदक द्वारा या (यथा लागू) जेवीसी/संकाय के मामले में पृथक रूप से प्रत्येक सहभागी द्वारा भरा जाए]

साधारण जानकारी	
समनुषंगी कारबार इकाइयों के नाम	विनिर्मित उत्पाद/प्रदत्त सेवाएं
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.
5.	5.

वित्तीय उपदर्शक	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
स्थिर आस्तियां					
सकल स्थिर आस्तियां					

संचित अवक्षयण शुद्ध स्थिर आस्तियां					
साम्या संप्रवर्तकों की सरकारी वित्तीय संस्थाएं पब्लिक अन्य (विनिर्दिष्ट करें)					
दायित्व दीर्घकालिक लघुकालिक					
आय विद्युत का विक्रय अन्य खर्चे प्रशासनिक और सामान्य खर्चे मरम्मत और रखरखाव के खर्चे कर्मचारी लागत ब्याज और वित्तीय प्रभार दीर्घकालिक लघुकालिक अन्य					
वित्तीय उपदर्शक	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
कुल आवर्तन (लाख रुपए)					
लाभ और प्रतिलाभ (लाख रुपए) शुद्ध लाभ संदत्त लाभांश					
प्रचालनात्मक अनुपात					

साम्या पर प्रतिलाभ नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ शुद्ध स्थिर आस्तियों पर प्रतिलाभ					
नकदीकरण अनुपात ऋण सेवा आवरण अनुपात चालू अनुपात शीघ्र अनुपात					
पूंजी पर्याप्तता और उधार पात्रता ऋण/शुद्ध मूल्य ऋण/साम्या					
आवर्तन अनुपात कुल आस्ति आवर्तन स्थिर आस्ति आवर्तन					
आधार रेखा जानकारी (कारबार जिसके लिए अनुज्ञप्ति की ईप्सा की गई है)					

11.

साधारण जानकारी					

भाग ख : अनुज्ञप्ति आवेदन के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची

1. अनुज्ञप्ति/मंजूरी की प्रति के साथ पूर्व-विद्यमान अनुज्ञप्ति (यदि कोई हो) से संबंधित जानकारी

2. कंपनी के संगम अनुच्छेद, संगम ज्ञापन, भागीदारी करार और वैसे ही सांविधानिक दस्तावेजों की प्रतियां
3. निगमन/रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणन
4. कारबार के प्रारंभ के लिए प्रमाणन
5. आवेदक या इसके संप्रवर्तक को बाध्य करने के लिए हस्ताक्षरकर्ता का मूल मुख्तारनामा
6. आय-कर रजिस्ट्रीकरण के ब्यौरे
7. प्रबंध और वित्तीय सामर्थ्य के संबंध में आंकड़े

क. प्रबंधकीय

- (i) ज्येष्ठ प्रबंधमंडल का पाठ्यक्रम जीवनवृत्त
- (ii) विभिन्न प्रवर्गों के लिए काडर संख्या (तकनीकी और गैर-तकनीकी)

ख. वित्तीय

- (i) इस आशय के बैंक निर्देश कि आवेदक वित्तीय रूप से शोधनतम है।
- (ii) वर्तमानतम वार्षिक वित्तीय विवरण (तुलनपत्र)
- (iii) आवेदक और किसी नियंत्रक कंपनी, समनुषंगी या संबद्ध कंपनी के गत तीन वर्षों के लिए वार्षिक संपरीक्षित लेखा
- (iv) कोई संलग्न टिप्पण और उपरोक्त विवरणों पर किसी ख्यातिप्राप्त चार्टर्ड अकाउंटेंट का प्रमाणन

ग. वित्तीय सामर्थ्य, तकनीकी क्षमता और अन्य को प्रमाणित करने वाला कोई अन्य दस्तावेजी साक्ष्य।

8. आवेदक के कारबार प्रस्तावों के संबंध में आंकड़े
9. प्रस्तावित कारबार जिससे आवेदन संबंधित है, के लिए पंचवर्षीय कारबार योजना (प्रक्षेपण के साथ)
10. लागत, राजस्व, परियोजना वित्तपोषण और निधि व्यवस्थाओं का पंचवर्षीय वार्षिक पूर्वानुमान (अंतर्वर्तित कल्पनाओं को स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट करते हुए)
11. इस आशय का एक शपथ पत्र कि आवेदक विद्युत पारेषण के कारबार में नहीं लगा हुआ है।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख :

परिशिष्ट-3

व्यापार अनुज्ञप्ति की सामान्य शर्तें

1. परिभाषाएं

1.1 जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :

“लेखांकन विवरण” से प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अनुज्ञप्त कारबार हेतु लेखांकन विवरण अभिप्रेत हैं जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन यथा वर्णित टिप्पणियों के साथ लाभ और हानि लेखा, तुलनपत्र तथा स्रोत और निधियों के उपयोजन के विवरण से मिलकर और ऐसी रीति में ऐसी अन्य विशिष्टताओं और ब्यौरे जैसाकि आयोग समय-समय पर निदेशित करे, बने हैं। यदि व्यापार अनुज्ञप्तिधारी, अनुज्ञप्त कारबार के अलावा किसी अन्य कारबार या क्रियाकलाप को करता है तो लेखांकन विवरण व्यापारी के अन्य कारबार के व्यवहार के संबंध में आयोग के विनियमों का अनुपालन करेंगे और किसी राजस्व, लागत, आस्तियों, दायित्वों, आरक्षितियों या प्रावधानों की रकमों को विनिर्दिष्ट रूप से दर्शाएंगे जो या तो, ---

- क. अनुज्ञप्त कारबार या किसी अन्य कारबार से या विपरीत क्रम में उसको इस प्रभार के आधार के विवरण के साथ प्रभारित की गई हो, या
- ख. प्रभाजन या आबंटन के आधार के वर्णन के साथ-साथ अनुज्ञप्त कारबार और किसी अन्य कारबार के बीच प्रभाजन या आबंटन द्वारा अवधारित की गई हो।

“वार्षिक लेखा” से कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों के अनुसार और/या अधिनियम के उपबंधों के संबंध में समय-समय पर आयोग द्वारा निदेशित रीति में तैयार किए गए व्यापारी के लेखा अभिप्रेत हैं;

“गतिविधि का क्षेत्र” से व्यापार अनुज्ञप्ति में कथित ऐसा गतिविधि क्षेत्र अभिप्रेत है जिसके भीतर व्यापारी, व्यापार करने के लिए प्राधिकृत है;

“संपरीक्षक” से व्यापारी के संपरीक्षक अभिप्रेत हैं जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 224 से 234क या 619, यथासमुचित, की अपेक्षाओं के अनुसार पद धारण करते हैं;

“प्राधिकृत” से किसी व्यक्ति, कारबार या गतिविधि के संबंध में अधिनियम की धारा 14 के अधीन प्रदत्त या अधिनियम की धारा 14 के पहले, दूसरे, तीसरे और पांचवें परंतुक के अधीन प्रदत्त समझी गई अनुज्ञप्ति या अधिनियम की धारा 13 के अधीन प्रदान की गई छूट द्वारा प्राधिकृत अभिप्रेत है;

“समझी गई अनुज्ञप्ति” से अधिनियम की धारा 14 के पहले, दूसरे, तीसरे और पांचवें परंतुक के अधीन प्राधिकृत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

“अपरिहार्य घटना” से अनुज्ञप्तिधारी के युक्तियुक्त नियंत्रण के परे घटनाएं अभिप्रेत हैं जिनके अंतर्गत, किन्तु सीमित नहीं, भूकम्प, चक्रवात, बाढ़, तूफान, प्रतिकूल मौसम परिस्थितियां, युद्ध, आतंकवादी हमले, सिविल उपद्रव या अन्य वैसी ही घटनाएं हैं जिनसे ऐसे कार्य हो जाते हैं तो विद्युत सुरक्षा से संबंधित सुसंगत विधियों या विनियमों का भंग करते हैं;

“अनुज्ञप्त कारबार” से अनुज्ञप्ति के अधीन यथा प्राधिकृत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में विद्युत में अंतः राज्यिक व्यापार का कारबार अभिप्रेत है;

“अन्य कारबार” से अनुज्ञप्त कारबार से भिन्न व्यापारी का कारबार अभिप्रेत है;

“विनिर्दिष्ट शर्तों” से सामान्य शर्तों के अलावा या उनमें फेरफार करके दर्शित वे शर्तें अभिप्रेत हैं जो आयोग किसी व्यापारी के लिए विनिर्दिष्ट रूप से अधिकथित कर सकेगा;

“व्यापार कारबार” से किसी व्यापारी का प्राधिकृत कारबार अभिप्रेत है;

“पारेषण अनुज्ञप्तिधारी” से विद्युत पारेषण के लिए प्राधिकृत ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसे पारेषण अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है या जो अधिनियम की धारा 14 के पहले, दूसरे, तीसरे या पांचवें परंतुक के अधीन समझा गया अनुज्ञप्तिधारी है;

“अंतरण” के अंतर्गत विक्रय, विनिमय, उपहार, पट्टा, अनुज्ञप्ति, उधार, प्रतिभूतिकरण, बंधक, प्रभार, आड्मान या किसी अन्य विल्लंगम का प्रदान किया जाना किसी विल्लंगम का बने रहने के लिए अनुज्ञात किया जाना है।

2. कालावधि :

- 2.1 व्यापार अनुज्ञप्ति, अनुज्ञप्ति प्रदान करने वाले आदेश में आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख से प्रभावी होगी और अनुज्ञप्ति प्रदान किए जाने के निबंधनों, और शर्तों के अधीन रहते हुए वह आदेश में उल्लिखित अवधि तक प्रवर्तन में रहेगी।

3. विधियों, नियमों और विनियमों का अनुपालन

- 3.1 व्यापारी अधिनियम, नियमों, विनियमों के उपबंधों समय-समय पर आयोग द्वारा जारी आदेशों और निदेशों तथा अन्य सभी लागू विधियों का अनुपालन करेगा।
- 3.2 व्यापारी इन सामान्य शर्तों के अनुसार कार्य करेगा सिवाए वहां जहां व्यापारी को अनुज्ञप्ति प्रदान करते समय इन सामान्य शर्तों के किसी उपबंध से छूट दी गई हो या उसने अन्यथा इनसे किसी विचलन के लिए आयोग से विनिर्दिष्ट रूप से अनुमोदन प्राप्त किया हो।
- 3.3 व्यापारी राज्य ग्रिड संहिता, वितरण संहिता, विनियम और अन्य संहिता, मानक और राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र, क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र और राज्य भार प्रेषण केंद्र और अन्य कानूनी प्राधिकरणों द्वारा जारी आदेश और निदेशों का अनुपालन करेगा और अपनी गतिविधियां उनके अनुसार करेगा तथा अपने कृत्यों का निर्वहन करेगा।

4. व्यापारी की गतिविधियां

- 4.1 व्यापारीराज्य/.....संघ राज्य क्षेत्र (यथास्थिति, संघ राज्य क्षेत्र या गोवा राज्य का नाम, जिसके लिए अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है) में व्यापार कर सकेगा।

परंतु यह कि अन्यो के साथ-साथ उपभोक्ताओं को विद्युत का विक्रय या प्रदाय किए जाने की स्थिति में, व्यापारी द्वारा विक्रय, अधिनियम की धारा 42 की उपधारा (2) में यथा उपबंधित के अनुसार प्रति-सहयिकी के वर्तमान स्तर को पूरा करने के लिए, अधिभार के संदाय के अधीन होगा।

- 4.2 व्यापारी, विद्युत के क्रय और विक्रय के लिए सभी करार करेगा और ऐसे करारों के अधीन अपनी बाध्यताओं का निष्पादन करने में व्यापारी को समर्थ बनाने के लिए अपेक्षित सभी प्राधिकार उसके पास होने चाहिए।

- 4.3 व्यापारी, ऐसे राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में, जिसके लिए उसे अनुज्ञप्ति प्रदान की गई है, किसी व्यक्ति को विद्युत का पारेषण और वितरण नहीं करेगा।
- 4.4 व्यापारी, यथास्थिति, विद्युत के पारेषण या बिलिंग के लिए पारेषण अनुज्ञप्तिधारी और वितरण अनुज्ञप्तिधारी के साथ आवश्यक करार कर लेगा।
- 4.5 आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना, व्यापारी ---
- (क) किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी की उपयोगिता को क्रय या अधिग्रहण करके या अन्यथा अर्जित करने का कोई संव्यवहार नहीं करेगा;
- (ख) किसी उत्पादन कंपनी या उत्पादन केंद्र में लाभप्रद हित अर्जित नहीं करेगा।
- 4.6 व्यापारी, अपने और उत्पादन कंपनी सहित ऊर्जा के प्रदायकर्ता के बीच, अपने और अन्य अनुज्ञप्तिधारियों, जो विद्युत के विक्रेता हैं, के बीच और अपने तथा ग्राहकों के, जो व्यापारी या उपभोक्ता हैं, बीच भी बिलिंग और भुगतान करार कर लेगा।
- 4.7 व्यापारी, कोई उधार देने या किसी व्यक्ति की किसी बाध्यता के लिए कोई गारंटी देने के पूर्व आयोग का अनुमोदन प्राप्त करेगा सिवाए तब जब यह अनुज्ञप्त कारबार के प्रयोजन के लिए दिया या दी जाए। कर्मचारियों के निबंधनों के अनुसरण में उन्हें दिया गया उधार और कारबार के सामान्य अनुक्रम में व्यापार अग्रिम को ऐसे अनुमोदन प्राप्त करने की अपेक्षा से अपवर्जित रखा गया है।
- 4.8 व्यापारी, किसी भी समय, आयोग के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी भी रीति में अपनी अनुज्ञप्ति अंतरित या समनुदेशित नहीं करेगा।
- 4.9 यदि व्यापारी की अपने ग्राहक के साथ संविदा एक नियत अवधि के लिए है तो नियत अवधि के समाप्त होने के पूर्व, अनुज्ञप्तिधारी ग्राहक को समापन का समय, और यदि व्यवस्था जारी रहती है तो अवसान के आगे के टैरिफ एवं ग्राहक को लागू निबंधनों और शर्तों की बाबत सूचित करेगा।
- 4.10 व्यापारी अपने सभी कारबार संव्यवहारों का एक अद्यतन रजिस्टर या अभिलेख रखेगा।

5. लेखा

5.1 जब तक आयोग द्वारा अन्यथा अनुज्ञात न किया जाए, इन सामान्य शर्तों और अनुज्ञप्त कारबार से संबंधित मामलों के प्रयोजनों के लिए व्यापारी का वित्तीय वर्ष, वर्ष में 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर उत्तरवर्ती वर्ष में 31 मार्च को समाप्त होगा।

5.2 व्यापारी, अनुज्ञप्त कारबार और किसी अन्य कारबार, जिसमें व्यापारी लगा हो, की बाबत, ---

क. ऐसे लेखांकन अभिलेख रखेगा जो प्रत्येक ऐसे कारबार की बाबत रखे जाने अपेक्षित हैं जिससे अनुज्ञप्त कारबार के या युक्तियुक्त रूप से उसके माने जा सकने वाले राजस्व, लागत, आस्तियों, दायित्वों, आरक्षितियों और प्रावधानों को व्यापारी की बहियों में अन्य कारबार, जिसमें व्यापारी लगा हुआ है, से अलग से पहचाना जा सके।

ख. ऐसे लेखांकन अभिलेखों से संगत आधार पर लेखांकन विवरण तैयार करेगा और उन्हें आयोग को परिदत्त करेगा, अर्थात् :-

(i) प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रथम छह मासों के संबंध में, एक अर्धवार्षिक लाभ और हानि लेखा, नकद प्रवाह विवरण और तुलनपत्र ऐसे समर्थनकारी दस्तावेजों और जानकारी के साथ जैसाकि आयोग समय-समय पर निदेश करे। ऐसे विवरणों और दस्तावेजों को आयोग द्वारा निदेशित रीति में प्रकाशित किया जाएगा;

(ii) तैयार किए गए लेखांकन विवरणों की बाबत, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए यह कथन करने वाली संपरीक्षक की रिपोर्ट कि क्या उनकी राय में ये विवरण इस खंड के अनुसार उचित रूप में तैयार किए गए हैं और ऐसे कारबार, जिससे विवरण संबंधित हैं, के या युक्तियुक्त रूप से माने जा सकने वाले राजस्व, लागत, आस्तियों, दायित्वों, आरक्षितियों और प्रावधानों का सही और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं; और

(iii) प्रत्येक अर्ध-वार्षिक लाभ और हानि लेखे की एक प्रति, जो उस अवधि की समाप्ति के पश्चात् जिससे वह संबंधित है तीन मास के बाद की न हों और लेखांकन विवरणों तथा संपरीक्षक की रिपोर्ट की प्रतियां जो उस वित्तीय वर्ष की समाप्ति के, जिससे वे संबंधित हैं, छह मास के बाद की न हों।

5.3 व्यापारी, आयोग को पूर्व सूचित किए बिना पूर्व वित्तीय वर्ष की बाबत लागू किसी वित्तीय वर्ष के संबंध में लेखांकन विवरण तैयार करने के संबंध में राजस्व या खर्चों के प्रभार, प्रभाजन या आबंटन के आधार में सामान्यतया परिवर्तन नहीं करेगा। राजस्व खर्चों के प्रभार या प्रभाजन के आधार में यदि किसी परिवर्तन का प्रस्ताव किया जाता है तो वह कंपनी अधिनियम, 1956 के उपबंधों, लेखांकन मानक या नियमों या इस संबंध में आयोग द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुरूप होगा।

5.4 जहां किसी वित्तीय वर्ष की बाबत लेखांकन विवरणों के संबंध में, व्यापारी ने तुरंत पूर्व वित्तीय वर्ष के लिए अपनाए गए प्रभार, प्रभाजन या आबंटन के आधार में परिवर्तन कर दिया है तो व्यापारी, यदि आयोग द्वारा अनुरोध किया जाए (उसके द्वारा अपनाए गए आधार पर लेखांकन विवरण तैयार करने के अलावा) ऐसे लेखांकन विवरण उस आधार पर तैयार करेगा जिसे उसने तुरंत पूर्व वित्तीय वर्ष की बाबत लागू किया था।

5.5 उपरोक्त खंड 5.2 के अधीन लेखांकन विवरण जब तक अन्यथा आयोग द्वारा अनुमोदित या निदेशित न किया जाए --

- (क) इस सामान्य शर्तों या विशिष्ट शर्तों में उपबंधित रीति में व्यापारी के वार्षिक लेखाओं के साथ तैयार और प्रकाशित किए जाएंगे;
- (ख) अपनाई गई लेखांकन नीतियां बताएंगे;
- (ग) सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किए जाएंगे, और
- (घ) ऐसे प्ररूप में तैयार किए जाएंगे जैसाकि आयोग समय-समय पर अनुबंधित करे।

5.6 अनुज्ञप्त कारबार या अन्य कारबार की या युक्तियुक्त रूप से मानी जा सकने वाली लागत या दायित्वों के निर्देशों का अर्थान्वयन ऐसे किया जाएगा कि वे कराधान और

पूँजी दायित्वों को, अपवर्जित करते हैं जो प्रमुख रूप से ऐसे कारबार और उसपर ब्याज से संशोधित नहीं हैं।

- 5.7 व्यापारी यह सुनिश्चित करेगा कि खंड 5.2 के अधीन प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत तैयार लेखांकन विवरण और प्रत्येक वित्तीय वर्ष की बाबत संपरीक्षक की रिपोर्ट का प्रकाशन ऐसी रीति में किया जाए जैसाकि आयोग निदेश दे और वे अनुरोध करने वाले किसी व्यक्ति को ऐसी कीमत पर उपलब्ध कराई जाए जो सामान्यतः उनकी दूसरी प्रति तैयार करने की लागत से युक्तियुक्त रूप से अधिक न हों।

6. आयोग को जानकारी प्रस्तुत किया जाना

- 6.1 व्यापारी, आयोग को अनुज्ञप्त कारबार या व्यापारी के किसी अन्य कारबार से संबंधित ऐसी जानकारी, दस्तावेज और ब्यौरे बिना किसी अनुचित विलंब के उपलब्ध कराएगा जैसाकि आयोग स्वयं अपने प्रयोजनों के लिए और भारत सरकार, राज्य सरकार, राज्य पारेषण उपयोगिता, राज्य भार प्रेषण केंद्र, केंद्रीय आयोग और/या केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के प्रयोजनों के लिए अपेक्षा करे। व्यापारी सम्यक्तः ऐसी जानकारी रखेगा जैसाकि आयोग अधिनियम की धारा 128 के अधीन निदेश करे।
- 6.2 व्यापारी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत पर तीन मास के भीतर, ऐसे वित्तीय वर्ष के दौरान की गई गतिविधियों को उपदर्शित करने वाली एक रिपोर्ट आयोग में प्रस्तुत करेगा। यदि आयोग द्वारा अपेक्षा की जाए तो व्यापारी आयोग द्वारा अनुमोदित रीति में रिपोर्ट का सार प्रकाशित करेगा।
- 6.3 व्यापारी, अनुज्ञप्ति के अधीन अपनी बाध्यताओं को पूरी करने से निर्बंधित करने वाली किसी घटना, जिसके अंतर्गत अन्य के द्वारा लोप या कारण त्रुटि है, के बारे में और ऐसी घटना के प्रभाव को कम करने के लिए व्यापारी द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में, सम्यक्तः आयोग को सूचित करेगा। व्यापारी ऐसी किसी अन्य घटना के घटने पर, जिससे इसकी व्यापारिक गतिविधियों का कोई भाग प्रभावित होता हो, यथा संभव शीघ्र आयोग को अधिसूचित करेगा, और

(क) ऐसी घटना की तारीख से दो मास के अपश्चात आयोग को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा जिसमें घटना और इसके कारण के संबंध में व्यापारी की जानकारी में तथ्यों के पूरे ब्यौरे दिए जाएंगे; और

(ख) यदि उपरोक्त रिपोर्ट तैयार करने में व्यापारी द्वारा अधिक समय अपेक्षित हो तो व्यापारी ऐसे कारण दर्शाएगा कि उसे ऐसी घटना की पूरी रिपोर्ट देने में दो से अधिक मास की क्यों आवश्यकता है।

6.4 आयोग, सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात्, व्यापारी को प्रतिकर की ऐसी रकम देने के लिए आदेश द्वारा निदेश दे सकेगा जैसाकि आयोग ऐसे व्यक्ति के बारे में निदेश देता जो व्यापारी के कर्मचारियों या अभिकर्ताओं के लोप, कारण या उपेक्षा की त्रुटि द्वारा प्रभावित या क्षतिग्रस्त होते।

6.5 व्यापारी ऐसे अध्ययन भी करेगा जैसाकि आयोग व्यापार गतिविधियों और अनुज्ञप्त कारबार से संबद्ध किसी अन्य मामले के संबंध में समय-समय पर उसे निदेश दे कि आयोग लोक हित में इसे आवश्यक समझता है। आयोग अपने विवेकानुसार, व्यापारी की लागत और खर्चों पर उसकी गतिविधियों पर किसी स्वतंत्र व्यक्ति द्वारा रिपोर्ट तैयार किए जाने और प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा।

7. पूंजी पर्याप्तता और उधार पात्रता

7.1 व्यापारी, तकनीकी और वित्तीय मानदंडों के संबंध में समय-समय पर आयोग द्वारा जारी विनियमों, मार्गदर्शक सिद्धांतों, निदेशों और आदेशों का सम्यक्तः अनुपालन करेगा और व्यापारी द्वारा हर समय संनियमों को बनाए रखा जाएगा।

7.2 उपरोक्त उपखंड (1) के अनुसार तकनीकी और वित्तीय मानदंडों को बनाए न रखना व्यापारी की बाध्यता का भंग माना जाएगा।

8. अनुज्ञप्ति फीस का संदाय

8.1 ऐसी अवधि के भीतर जैसाकि आयोग निदेश करे, व्यापारी आयोग को ऐसी अनुज्ञप्ति फीस, आरंभिक और आवधिक भी, का संदाय करेगा, जो विशिष्ट शर्त में उल्लिखित है, ऐसी रीति में करेगा जैसा कि आयोग विशिष्ट शर्त में निदेश दे।

8.2 जहां, व्यापारी नियत तारीखों तक खंड 8.1 के अधीन किसी देय फीस का संदाय करने में असफल रहता है, —

(क) अन्य बाध्यताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, व्यापारी, बकाया रकम पर 1.25 प्रतिशत प्रतिमास (मास का भाग इस प्रयोजन के लिए पूर्ण मास माना जाएगा) की दर से विलंब संदाय, अधिभार/ब्याज का संदाय करने के लिए दायी होगा। ब्याज, रकम दे देने के पश्चात् के दिन से प्रारंभ होकर आयोग को संदाय किए जाने की तारीख तक की अवधि के लिए संदेय होगा; और

(ख) व्यापारी द्वारा व्यतिक्रम जारी रखने की स्थिति में, आयोग व्यापार अनुज्ञप्ति प्रतिसंहत कर सकेगा।

8.3 व्यापारी, इस खंड 8 के अधीन संदत्त किसी फीस को, विलंबित संदाय के लिए संदत्त किसी ब्याज को अपवर्जित करते हुए, टैरिफ में प्रभारित किए जाने के लिए सकल राजस्व के अवधारण में खर्चों के रूप में हिसाब में ले सकेगा।

9. प्रतिसंहरण की शर्तें

9.1 अधिनियम की धारा 19 के उपबंधों और गोवा तथा संघ राज्यक्षेत्रों के लिए संयुक्त विद्युत विनियामक आयोग (विद्युत व्यापार) विनियम, 2010 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, आयोग, किसी भी समय, व्यापार अनुज्ञप्ति के प्रतिसंहरण के लिए व्यापारी के विरुद्ध कार्यवाही प्रारंभ कर सकेगा और यदि ऐसी कार्यवाही के पश्चात्, लोकहित पर सम्यक्तः विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि प्रतिसंहरण के लिए आधार विद्यमान हैं तो वह व्यापार अनुज्ञप्ति प्रतिसंहत कर सकेगा :

(क) जहां, आयोग की राय में, व्यापारी, अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों द्वारा या उनके अधीन उससे अपेक्षित कुछ करने में तात्त्विक भंग करता है, या जानबूझकर व्यतिक्रम करता है;

(ख) जहां व्यापारी अपनी अनुज्ञप्ति के ऐसे किसी निबंधन या शर्तों का उल्लंघन करता है, जिसका भंग किया जाना स्पष्ट रूप से अनुज्ञप्ति को प्रतिसंहरण का दायी बनाता है;

(ग) जहां व्यापारी, इस संबंध में उसकी अनुज्ञप्ति द्वारा नियत अवधि के भीतर या किसी दीर्घतर अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा प्रदान की गई हो, असफल रहे, —

- (i) आयोग के समुदायप्रद रूप में यह दर्शाने में कि वह, उसकी अनुज्ञप्ति द्वारा उस पर अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं को पूर्ण रूप से और दक्षतापूर्वक निर्वहन करने की स्थिति में है; या
- (ii) उसकी अनुज्ञप्ति द्वारा अपेक्षित रकम जमा कराने या प्रतिभूति प्रस्तुत करने; या अन्य फीस और प्रभारों का संदाय करने में।

(घ) जहां आयोग की राय में, व्यापारी की वित्तीय स्थिति ऐसी हो कि वह उस पर अधिरोपित कर्तव्यों और बाध्यताओं का पूर्णतया और दक्षतापूर्ण रूप में निर्वहन करने में असमर्थ है;

(ङ) जहां, व्यापारी, आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तकनीकी अपेक्षाएं, पूंजी पर्याप्तता और उधारपात्रता बनाए रखने में असफल रहा हो; और

(च) सभी विनियमों, संहिताओं और मानकों तथा आयोग के आदेशों और निदेशों का अनुपालन करने में असफल रहा हो या अन्यथा ऐसा कार्य करें जो व्यापार अनुज्ञप्ति को अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों अथवा विनियमों में विनिर्दिष्ट किसी अन्य आधार पर प्रतिसंहरणीय बना दे।

9.2 जहां इसकी राय में लोकहित में ऐसा अपेक्षित हो, तो आयोग, आवेदन किए जाने पर या व्यापारी की सहमति से, ऐसे निबंधनों और शर्तों पर व्यापार के उसके पूर्ण क्षेत्र या उसके भाग के संबंध में उसकी अनुज्ञप्ति प्रतिसंहत कर सकेगा।

9.3 व्यापार अनुज्ञप्ति का प्रतिसंहरण करते समय, आयोग, व्यापारी के कर्तव्यों के निर्वहन के लिए ऐसी व्यवस्था कर सकेगा जैसाकि आयोग लोकहित में आवश्यक समझे और ऐसी समस्त व्यवस्था व्यापारी की लागत और जोखिम पर की जाएगी।

10. अनुज्ञप्ति शर्तों का संशोधन

10.1 अनुज्ञप्ति की इन सामान्य शर्तों को आयोग द्वारा किसी भी समय, जब वह उचित समझे, लोकहित में अधिनियम की धारा 18 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए परिवर्तित या संशोधित किया जा सकता है। ऐसे किसी परिवर्तन या संशोधन के लिए, व्यापार अनुज्ञप्ति में कोई परिवर्तन या संशोधन करने के पूर्व, निम्नलिखित उपबंध प्रभावी होंगे :

- (क) जहां व्यापारी, अनुज्ञप्ति की सामान्य शर्तों में किसी परिवर्तन या संशोधन का प्रस्ताव करते हुए अधिनियम की धारा 18 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन करता है, वहां व्यापारी, ऐसी विशिष्टियों के साथ और ऐसी रीति में ऐसे आवेदन की सूचना प्रकाशित करेगा जैसाकि आयोग द्वारा निदेश किया जाए;
- (ख) जहां अनुज्ञप्ति में किसी परिवर्तन या संशोधन का प्रस्ताव व्यापारी के आवेदन के अलावा किया जाए, वहां आयोग, प्रस्तावित परिवर्तनों या संशोधनों को ऐसी विशिष्टियों के साथ ऐसी रीति में प्रकाशित करेगा जैसाकि आयोग द्वारा निदेश किया जाए;
- (ग) जब तक सूचना के प्रथम प्रकाशन की तारीख से तीस दिनों के भीतर प्राप्त सुझावों या आपत्तियों पर विचार नहीं कर लिया जाता, आयोग कोई परिवर्तन या संशोधन नहीं करेगा।

11. विवाद समाधान

- 11.1 आयोग, अधिनियम की धारा 158 की उपधारा (1) के खंड (च) के अनुसरण में विवादों का न्यायनिर्णयन करने का हकदार होगा या अपने विवेक से व्यापारी और किसी अन्य अनुज्ञप्तिधारी के बीच अथवा व्यापारी और उत्पादन कंपनी के बीच विवादों का निपटारा करने के लिए व्यक्ति (यों) को मध्यस्थ(थों) के रूप में नामनिर्दिष्ट करेगा।

12. टैरिफ और व्यापार मार्जिन प्रत्याशित राजस्व संगणना और टैरिफ

- 12.1 व्यापारी, अधिनियम के उपबंधों, आयोग के विनियमों, टैरिफ निबंधन और शर्तों तथा आयोग द्वारा जारी अन्य मार्गदर्शक सिद्धांतों, आदेशों और निदेशों के अनुसार व्यापार मार्जिन प्रभारित करेगा।

13. प्रकीर्ण

- 13.1 इन सामान्य शर्तों और इसके निबंधन और शर्तों के निर्वचन से संबंधित उत्पन्न सभी मुद्दे आयोग के अवधारण का विषय होंगे और ऐसे मुद्दों पर आयोग का विनिश्चय अधिनियम की धारा 111 के अंतर्गत केवल अपील के अधीन रहते हुए, अंतिम होगा।

13.2 आयोग, व्यापार अनुज्ञप्ति प्रदान करते समय, या तो अनुज्ञप्ति प्रदान करने वाले आदेश में या विशिष्ट व्यापारी को लागू की गई विशिष्ट शर्तों के द्वारा इन सामान्य शर्तों के किसी उपबंध का लागू होना त्याग सकेगा या उपांतरित कर सकेगा।

13.3 ये सामान्य शर्तें, अधिनियम की धारा 14 के अधीन सभी व्यापारियों को लागू होंगी और सभी समझे गए व्यापार अनुज्ञप्तिधारियों को भी लागू होंगी।

JOINT ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION FOR THE STATE OF GOA AND UNION TERRITORIES

NOTIFICATION

Gurgaon, the 5th August, 2010

No. JERC-13/2010.—In exercise of powers vested under Section 181 read with Section 52 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003) and all other powers enabling it in that behalf, the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories hereby makes the following Regulations specifying the eligibility criteria for grant of intra-State trading licence, the duties of the electricity trader and other related matters:

1. Short title, extent and commencement

- i. These Regulations may be called the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories (Electricity Trading) Regulations, 2010.
- ii. These Regulations extend to the whole of the state of Goa and the Union Territories of Andaman & Nicobar Islands, Chandigarh, Dadra & Nagar Haveli, Daman & Diu, Lakshadweep and Puducherry;
- iii. These Regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions and interpretation

- i. In these Regulations, unless the context otherwise requires:
 - (a) "Act" means the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);
 - (b) "Agreement" means agreement(s) entered into by the electricity trader with the seller of electricity, buyer of electricity, other licensees etc., that enable(s) the trading transactions;
 - (c) "Applicant" means a person who has made an application to the Commission for grant of licence for trading in electricity;

- (d) “Commission” means the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and the Union Territories.
 - (e) “Conduct of Business Regulations” means the Joint Electricity Regulatory Commission for the state of Goa and Union Territories (Conduct of Business) Regulations, 2009, as amended from time to time;
 - (f) “Customer” means any person purchasing electricity from the trader and includes distribution licensee, any other Trader and any consumers;
 - (g) “Net worth” at any point in time is defined as Paid-up capital (including Share Premium) *plus* Free Reserves (exclusive of intangible assets and revaluation, if any) *minus* Deferred Revenue Expenditure.
 - (h) “Other Business” means any business of the trader other than the licenced business of trading;
 - (i) “Quarter” means a three-month period starting from 1st day of April, July, October or January and ending respectively on the last day of June, September, December or March of a financial year;
 - (j) “Trader” means a person who has been granted a licence under this Regulation for undertaking trading in electricity.
- ii. Words and expressions used in these Regulations but not defined, unless the context otherwise requires, shall have the same meaning as assigned to them in the Act.

3 Technical requirements to qualify as an Electricity Trader

3.1 The applicant must have at least the following resources:

- 1) Experts and skilled staff with relevant qualifications and experience and having knowledge of (a) Power system operations, and (b) Finance and commerce;
- 2) Adequate office area with adequate communication facilities like telephone, fax, computer, and internet facilities; and
- 3) A website of his own to post all necessary information about his trade.

3.2 The applicant shall submit along with the application, the following information to the Commission for assessment of his technical capability with regard to the resources deployed as outlined in regulation 3.1 above:

- (1) number of experts, summary of their educational qualifications and experience in and knowledge of electricity industry/market as well as understanding of the

operation of the system and commercial transactions, and number of years of experience of each personnel;

- (2) details of key staff, their educational qualifications and business skills; and
- (3) details of office and communication facilities and website.

The aforesaid information shall be filed along with the supporting documents.

- 3.3 The applicant shall justify to the satisfaction of the Commission that the technical capability and resources exhibited by the applicant are adequate to manage the intended volume of trading.
- 3.4 The applicant shall comply with the technical requirements when applying for the licence for trading:

Provided that the Commission may grant the trading licence to the applicant subject to the trader furnishing the details and exhibiting compliance to the technical requirements, in accordance with regulations 3.1 and 3.2 above, before undertaking the trading.

4 Financial requirements to qualify as a Trader

- 4.1 At the time of application, the applicant shall submit to the Commission the applicant's earnings history, balance sheet, cash flow, funding arrangements and risk management strategy which will demonstrate that the applicant has met the net worth requirement as per regulations 4.3 below.
- 4.2 The financial requirements shall be complied with before applying for the licence for trading.
- 4.3 The net worth requirement of the trader/applicant at any time shall not be less than the following amounts:

S.No.	Category	Annual volume Trading (MU)	Maximum capacity (MW)	Net worth* (Rs. in crores)
1.	A	Upto 80	Up to 25	2.50
2.	B	>80 and up to 160	>25 and up to 50	5.00
3.	C	>160 and up to 320	>50 and up to 100	10.00
4.	D	>320 and up to 480	>100 and up to 150	15.00
5.	E	>480 and up to 640	> 150 and up to 200	20.00
6.	F	>640	> 200	25.00

* Net worth shall be construed as paid-up capital and free reserves (without considering revaluation, if any) less carried forward losses and miscellaneous expenditure not written off.

The applicable amount of net worth shall be determined on the basis of volume of trading in energy or capacity whichever is higher.

5. Procedure for grant of licence for trading

The procedure for grant of licence to a trader by the Commission shall be governed by these Regulations, read with the provisions of the conduct of business regulations of the Commission in force. In the case of variations between the two, the provisions of those Regulations shall prevail in so far as licensing for the trading is concerned.

5.1 Application for Licence

- 1) Any person intending to engage in Trading shall apply to the Commission for the grant of licence in the form specified at Appendix-2 and in the manner as directed by the Commission and accompanied by such fees as may be prescribed for the purpose by “the Appropriate Government”:
- 2) The General Conditions subject to which the licence shall be issued are contained in Appendix 3 to these Regulations and the Licensee shall be bound by such conditions, except to the extent specifically exempted by the Commission.
- 3) The General Conditions specified in Appendix – 3, shall apply to all applicants for grant of Trading Licence including the deemed Licensees under provisos third and fifth to Section 14 of the Act.
- 4) The Commission may, in addition to the General Conditions, decide on the Specific Conditions subject to which licence shall be issued to the applicant.
- 5) Any person intending to apply for a licence shall duly comply with the conditions and requirements laid down by the Commission, in these Regulations.
- 6) The application for Licence shall be made in accordance with the provisions of the Act and these Regulations and in the form enclosed as Appendix -2 (Conduct of Business), Regulations 2009 of the Commission and shall be supported by affidavit of the authorized person.
- 7) The application for Licence shall be accompanied by documents and particulars required to be provided as per Part-B of the application form (Appendix- 2).
- 8) The application for Licence shall specifically detail the deviations, if any, proposed from the General Conditions of Licence as contained in Appendix 3 to these Regulations and reasons in support thereof.
- 9) The Applicant shall duly fulfil the conditions of technical requirement, capital adequacy requirement and creditworthiness and further shall agree to discharge such duties as specified in these Regulations.

10) The application, along with all annexure and enclosures thereto, shall be submitted to the Commission in hard copy as well as in electronic form.

5.2 Acknowledgment of application: On receipt of the application, the Receiving Officer of the Commission shall note thereon the date of its receipt and shall send to the applicant an acknowledgment stating the date of receipt.

5.3 Facilitating public inspection of documents, etc:

(1) The applicant shall maintain at his office and at such other place as may be designated by the Commission, the copies of the application and the documents accompanying the application, referred to in Appendix 2, for public inspection and furnish to persons applying for them the copies thereof at a price not exceeding the normal photocopying charges

(2) The applicant shall post complete application along with annexure and enclosures thereto on his website.

5.4 Calling for additional information:

The Commission or its Secretary or any Officer designated for the purpose by the Commission may, upon scrutiny of the application, require the applicant to furnish, within a specified period, such additional information or particulars or documents as the Commission may consider necessary for the purpose of processing the application.

5.5 Publication of notice of application:

(1) The applicant shall within 7 days after making such application, publish a notice of his application along with the particulars as mentioned in Appendix 1, in at least two newspapers by public advertisement, having wide circulation in the State of Goa or the Union Territory(ies), as the case may be.

(2) The publication shall be headed by a short title corresponding to that given in the application and shall give the addresses of the offices at which the application and the documents accompanying it can be inspected and the copies of same can be purchased and shall also state that any person, desirous of making any representation or objections with reference to the said application, to the grant of licence may do so by letter addressed to the Secretary to the Commission, with a copy to the applicant, within thirty days from the date of publication.

(3) The applicant shall endeavour to publish the aforementioned notice in all the newspapers simultaneously, on the same day. In case the notice is published on different days in different newspapers, the date of last published notice will be deemed to be the date of publication of the notice.

5.6 Objections

Any person intending to object to the grant of the licence shall file objections with the Secretary to the Commission, with a copy to the applicant within thirty (30) days from the date of publication of the notice by the applicant.

- (1) The Commission will post all the objections received in response to the said publication, on its website.

5.7 Applicant's response to the objections:

The applicant can also access the objections through Commission's website. The applicant shall file his comments, if any, to the Commission on the objections or suggestions received in response to the notice, within 45 days from the date of publication of the notice.

5.8 Grant of Licence:

- (1) The applicant shall within 7 days from the date of publication of the notice as aforesaid submit to the Commission, on affidavit, the details of the notice published along with the copies of the newspapers in which the notice is published.
- (2) After the applicant has published the notice of the application and after considering the objections received, if any, the Commission may decide, provisionally, to grant or refuse the licence and if it decides to grant the licence it may do so on such specific terms and conditions and with such modifications to the general conditions as the Commission may decide.
- (3) When the Commission decides to grant the Licence, the Commission shall publish notice informing the name and address of the person to whom it intends to grant the Licence and other details as considered necessary and seek suggestions/objections from public and also indicate a date for hearing those who desire to be heard in person.
- (4) After considering all suggestions/objections and after hearing those desiring to be heard in person, the Commission may finally decide either to grant or refuse the Licence.
- (5) If the Commission grants the Licence, the Secretary of the Commission shall immediately after issue of a licence, forward a copy of the licence to the State Government, Central Electricity Authority, Central Electricity Regulatory Commission, and to such other persons as the Commission considers necessary.

5.9 Refusal of Licence:

If the Commission is not inclined to grant the Licence, the Commission shall give an opportunity to the Applicant for being heard in person before rejecting the application.

5.10 Date of commencement of licence:

The licence shall commence from the date the Commission may direct as the date of commencement of Licence.

5.11 Revocation of a Licence:

- (1) The proceedings for revocation of a Licence and/or for issuing any other orders under section 19 of the Act shall be initiated by the Commission by means of an order. The Commission may initiate such proceedings *suo motu* or on application of the licensee or on receiving any complaint or information from any person.
- (2) The Commission shall give notice of the proceedings for the revocation of the licence to the licensee and to such other person, authority or body as the Commission may consider appropriate.
- (3) Subject to the provisions of the Act and the procedure prescribed therein, the inquiry by the Commission for revocation of the licence, in so far as it is applicable, shall be in the same manner as provided in the Conduct of Business Regulations, 2009 of the Commission in force.
- (4) If the Commission decides to revoke the licence, the Commission shall communicate the order of revocation to the licensee stating the date from which such revocation shall take effect.
- (5) The Commission may instead of revoking the licence pass any other order imposing such terms or conditions subject to which the Licensee is permitted to operate thereafter.

5.12 Amendment of the licence:

- (1) The application for amendment to the terms or conditions of the licence under section 18 of the Act may be made by the Licensee in the form of a petition as provided for in the Conduct of Business Regulations, 2009 of the Commission in force, duly accompanied by a statement of the proposed amendments and the applicable fee.
- (2) The applicant shall, within seven days from the date of the application for amendment, publish a notice giving a brief statement of admission and number of the amendment(s) proposed, the reason for the proposed amendment(s), the effect of the amendment(s) proposed on the discharge of the functions of the Licensee under the Licence granted, the

alternate arrangement, if any, proposed for discharge of such functions and such other particulars as the Commission may direct.

- (3) The publication under regulation 5.12(2) above shall give the addresses of the offices at which the application for amendments can be inspected and the copies of documents can be purchased and shall state that every local authority, utility or person, desirous of making any representation with reference to application to the Commission, may do so by letter addressed to the Secretary to the Commission within thirty days from the date of publication.
- (4) In the event the Commission proposes to amend the terms or conditions of the Licence granted to a licensee, *suo motu*, the Commission shall publish a notice of the proposed amendment(s) giving a brief statement of the amendment (s) proposed, the reason for the proposed amendment (s), the effect of the amendment (s) proposed on the discharge of the functions of the Licensee under the Licence granted, the alternate arrangement, if any, proposed for discharge of such functions and such other particulars as the Commission may consider appropriate.
- (5) Unless otherwise decided in writing by the Commission, the procedure specified in these Regulations for grant of licence, insofar as it can be applied, shall be followed while dealing with an application for amendment of the licence.

Duties and obligations of a Trader

6.1 Duties relating to trading Transactions

- (1) The trader shall have in place all agreements for the purchase and sale of electricity, and any necessary related authorisations and arrangements as required for the discharge of his obligations under the Licence. Necessary safeguards with regard to supply of electricity through trading, or payment for electricity traded shall be included in the agreements between the parties.
- (2) The trader shall have in place the open access agreements with each transmission licensee and distribution licensee concerned for the conveyance of electricity, unless the trader's customer or power supplier has entered into such access agreements.
- (3) Such agreements shall *inter alia* provide that the energy exchanges, billing and payment shall be as per the Billing and Settlement Code to be approved by the Commission from time to time
- (4) The trader shall have in place a well-structured payment security mechanism, i.e., through letters of credit or any other superior instrument mutually acceptable to the parties concerned.
- (5) The trader shall maintain an up-to-date register or record of his customers and all the business transactions.
- (6) The Trader may engage any of its subsidiaries or holding company or a subsidiary of such holding company to provide any goods or services relating to electricity and electricity supply to the Trader in connection with the Licensed Business, subject to the following conditions:

- a. that the transaction shall be undertaken on an “arms-length basis” and at a value that is fair and reasonable in the circumstances,
 - b. that the Trader shall report to the Commission, for each financial year, the details of all transactions of the nature referred to in this Regulation entered into during the financial year;
 - c. that the Trader shall submit to the Commission, for each financial year, a certificate from a Chartered Accountant as regards compliance with the requirement of regulation 6.1(6)(c) above and
 - d. The Trader shall post on his website details of all such transactions within a week of each such transaction taking place, and keep such details so posted for a minimum period of three months.
- (7) The Trader shall render all assistance to any person authorized by the Commission for carrying out his duties relating to licence;
 - (8) The Trader shall not enter into any agreement leading to abuse of his dominant position or enter into a combination which is likely to cause an adverse effect on competition in electricity industry;

6.2 Duties relating to supply to consumers

- (1) The trader shall always keep in his office adequate number of copies of the updated Electricity Supply Code and the Terms and Conditions of Supply and shall, on demand, sell such copies to any applicant at a price not exceeding the normal photocopying charges.

6.3 Technical resources, Capital adequacy and Creditworthiness

- (1) The trader shall maintain the technical resources specified in regulation 3 above and provide to the Commission the details of any changes justifying that the capability is, and continues to remain, adequate to cater to the volume of his trade.
- (2) If the trading volume of the trader exceeds the specified volume of trade in any financial year then the trader shall immediately intimate the Commission of his moving to the higher category and increase his net worth to the applicable level as specified in regulation 4.3 and pay the balance license fee prorated for the rest of the year by the following 30th April.
- (3) In case of non-reporting of such an event, the Commission may levy penalty on the trader in terms of Section 142 of the Act, in addition to levy of late payment surcharge / interest for non-payment / delayed payment of the additional licence fee due from the Trader as per regulation 6.3(2) above, in the manner and at the rate specified in regulation 6.5(1) below, apart from suspension of his licence.

- (4) The trader shall make reasonable endeavours to maintain investment grade credit rating (obtained from a leading independent Credit Rating Agency) for all debts throughout the period they remain on the books of the trader:

6.4 Compliances and information submission

- (1) At the end of every quarter, the trader shall provide information to the Commission in such form and manner as may be directed by the Commission from time to time to demonstrate that he has complied with the net worth criteria mentioned in regulation 4.3 above.
- (2) The trader shall comply with Regulations, codes, orders and directives such as Regulations on phasing of open access in electricity distribution, standards of performance, supply code, billing code, and balancing and settlement code, etc.
- (3) The trader shall furnish to the Commission such information as may be required to monitor the trader's performance, compliance with the terms and conditions of the licence and any other legislative or regulatory requirement.
- (4) The trader shall comply with any direction issued by the State Load Dispatch Centre (SLDC).
- (5) The trader shall provide data and his business plan to the Commission, the State Transmission Utility and the SLDC, annually, as well as on request.
- (6) Until modified by this Commission, the trading margin fixed by the Central Electricity Commission under Section 86 (1) (j) of the Act for the Inter-State Trading shall also be applicable to any Trader granted licence under these Regulations.
- (7) To enable the Commission to determine the trading margin, the trader shall file the details in such form and in such manner as may be required by the Commission from time to time.
- (8) The trader shall as soon as practicable report to the Commission: (a) any significant changes in his circumstances which may affect the trader's ability to meet his obligations under the Act, rules and regulations directions/orders issued by the Commission, the State Grid Code, agreements or the licence; (b) any material breach of the provisions of the Act, rules and the regulations, directives/orders issued by the Commission, the State Grid Code, agreement or the licence; and (c) any major change in shareholding pattern, ownership or management of the trader.

6.5 Payment of Annual Licence Fee

- (1) The trader shall pay to the Commission the following non-refundable annual (April to March) licence fee by means of a demand draft/pay order drawn on Gurgaon (Haryana) branch of a scheduled bank in favour of the Joint Electricity Regulatory Commission, Gurgaon,

Category of the Trading License	Annual volume of electricity to be traded	Annual Licence Fee
A	Up to 50 MU	Rs. 50,000
B	Greater than 50 MU and up to 100 MU	Rs. 75,000
C	Greater than 100 MU and up to 200 MU	Rs. 1.00 Lakh
D	Greater than 200 MU and up to 300 MU	Rs. 1.50 Lakhs
E	Greater than 300 MU and up to 400 MU	Rs. 2.00 Lakhs
F	Greater than 400 MU and up to 500 MU	Rs. 2.50 Lakhs
G	Greater than 500 MU	Rs.3.00 Lakhs

- (2) Such fee for the first year or a part thereof shall be paid before the commencement of operations, provided that for a part of the year, the licence fee shall be payable *pro rata* on the basis of number of days.
- (3) The licence fee for the subsequent years starting from the first day of April shall be paid in full before the start of the year. In case the trader fails to pay the licence fee in time, the trader shall be liable to pay late payment surcharge / interest on the outstanding amount at the rate of 1.25% of the licence fee payable per month (a part of the month shall be treated as full month for the purpose) and for the period the licence fee remains unpaid and such other particulars in details in the manner as the commission may direct from time to time.
- (4) Notwithstanding the liability of the trader to pay the late payment surcharge as aforesaid, the delay in payment of licence fee, shall be construed as breach of the terms and conditions of the licence rendering the licence liable to be revoked on this ground alone.

6.6 Accounts of the Electricity Trader

- (1) The trader shall maintain separate accounts for his trading business, prepare and maintain the same in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956, as amended from time to time and such other particulars in details in the manner as the Commission may direct from time to time. Till such time guidelines in this respect are issued by the Commission.

- (2) The trader shall prepare on a consistent basis from such records accounting statements for each financial year comprising a profit and loss account, a balance sheet and a statement of sources and application of funds together with notes thereto and showing separately the amounts of any revenue, costs, assets, liabilities, reserves or provisions which have been:
- a. Charged from or to any other business together with a description of the basis of that charge, and / or
 - b. Determined by apportionment or allocation between the various business activities together with a description of the basis of the apportionment or allocation.
- (3) The trader shall provide, in respect of the accounting statements prepared in accordance with foregoing provisions, a report by the Auditors in respect of each financial year, stating whether in their opinion the statements have been properly prepared and give a true and fair view of the revenue, costs, assets, liabilities, reserves and provisions reasonably attributable to the trading business.
- (4) The trader shall submit to the Commission copies of the accounting statements and Auditor's report thereon not later than six months after the close of the financial year to which they relate.
- (5) Any person authorised by the Commission shall be entitled to inspect and verify the accounts of the trader and the trader shall render all necessary assistance to such person.

6.7 Prohibitions

- (1) The trader shall not engage in the business of transmission of electricity.
- (2) The trader shall not, without prior approval of the Commission assign or transfer his licence to any person, by sale, lease, exchange or otherwise.

6.8 Wherever prior approval of the Commission is required, the trader shall file an appropriate petition before the Commission, in accordance with the Conduct of Business Regulations.

7 Contravention of terms and conditions of licence

The Commission may pass such orders as it deems fit in accordance with the provisions of the Act, if there is a contravention or the likelihood of a contravention of the terms and conditions of licence by the Licensee.

8 Redressal mechanism

- (1) All disputes and complaints relating to energy billing and accounting in electricity shall be

referred to the State Load Dispatch Centre, which may investigate to resolve the grievance within a period of 30 days.

- i. If the State Load Dispatch Centre is unable to redress a grievance, within the 30 days' period, it would stand automatically referred to the State Power Committee as created under the State Grid Code, which shall resolve the grievance within another 30 days period.
- ii. If the disputes and complaints are not resolved as above, the grievance shall be placed before the Commission by the State Power Committee

(2) All other disputes amongst the licensees shall be directly referred to the Commission.

9 Power to amend

The Commission may, at any time, add, vary, alter, modify, amend or suspend any provisions of these Regulations.

10 Issue of orders and practice directions

Subject to the provisions of the Act, and these Regulations, the Commission may, from time to time, issue orders and practice directions in regard to the implementation of these Regulations, the procedure to be followed etc., and other matters, which the Commission has been empowered by these Regulations to specify or direct.

11 Power to remove difficulties

In case of any difficulty in giving effect to any of the provisions of these Regulations, the Commission may remove such difficulty by general or special order, not being inconsistent with the provisions of the Act, as may appear to be necessary for the purpose of removing the difficulty.

12 Saving: Nothing contained in these Regulations shall affect the rights and privileges of a consumer under any other law for the time being in force, including the Consumer Protection Act, 1986 (68 of 1986).

By Order of the Commission

J. S. SEHRAWAT, Secy.

[ADVT III/4/218-I/10/Exty.]

APPENDIX - 1

- 1) Name of the applicant in bold at the top clearly bringing out whether the applicant is an individual, a partnership firm, private limited company or a public limited company incorporated under the Companies Act, 1956, giving full particulars of its office address, and the registered office address in case of a Company incorporated under the Companies Act, 1956.
- 2) A statement that the applicant has made an application for grant of licence for trading under sub-section (1) of Section 15 of the Act, to the Joint Electricity Regulatory Commission.
- 3) Shareholding pattern, technical and financial strengths and management profile of the applicant.

- 4) Volume of power intended to be traded during the first year after grant of licence and the future plans for trading during the next 5 years.
- 5) Details of past experience of the applicant and the personnel under his employment and control in same or similar activity.
- 6) Geographical areas within which the applicant shall undertake trading in electricity as stated in the application made to the Commission
- 7) A statement to the effect that the application and other documents filed before the Commission from time to time, are available for inspection with the applicant by any person.
- 8) Name, address and other relevant details of the person, under the control of the applicant, with whom the application and documents are kept for inspection by any person.
- 9) A statement to the effect that completes application is available on the website of the applicant along with the website address.
- 10) Specific mention that objections, if any, to the grant of licence to the applicant be filed with/sent to the Secretary, Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and UTs, with a copy to the applicant within 30 days from the date of publication of the notice.

APPENDIX -2

JOINT ELECTRICITY REGULATORY COMMISSION for the State of Goa and Union Territories

Application form for the grant of Trading Licence in the State of Goa or the UTs

The applicant must submit the completed application in six (6) copies to the Secretary, Joint Electricity Regulatory Commission for Goa & UTs, 2nd floor, HSIIDC Office Complex, Vanijya Nikunj Complex, Udyog Vihar, Phase-V, Gurgaon-122016 along with application fee of Rs (Rupees only) as prescribed by Appropriate Government in the form of DD /Pay Order drawn in favour of Joint Electricity Regulatory Commission for Goa and Union Territories, and payable at Gurgaon, (Haryana).

PART-A: GENERAL INFORMATION ON APPLICANT

1. Details of Applicant

- a. Full Name of the Applicant :
- b. Full Address of the Applicant :
- c. Name, Designation & Address of the Contact Person :
- d. Contact Telephone Numbers :
Fax Number(s) :
Email ID :

2. Details of Ownership

a. Company/ Firm/ Co-op Society/ Individual/ Others(specify):

b. Particulars of Incorporation/ Registration

Place of Incorporation/ Registration :

Year of Incorporation/Registration :

Registration Number :

c. Names and Addresses of Directors

3. Principal Shareholders/ Partners/ Members

4. (a). Details of the area of operation

(b). Nature of other electricity licenses / authorisation, if any, of the applicant for electricity transmission, distribution or trading already granted:

5. Details of Operation

Maximum trading volume proposed to be undertaken by the applicant on a monthly basis for the first five years;

6. Funding arrangements (sources and application) to meet the obligations :

7. Arrangement for purchase of energy

8. Arrangement, if any, proposed with other existing licensees

a. Resume of the Organisation with details of

b. Management capability

c. Financial strength

d. Ability to attend to the activities activities in a sustainable manner

9. Prior experience (Past 5 years' details for related business)

*[To be filled in by the applicant or by each participant separately in case of
(as applicable)]*

General Information

Name & Address of the project(s)
developed

General Information	
Brief description of project(s) developed	
Cost of the project(s) developed – Rs. Lakhs	
Name(s) & Address(s) of the client(s) for whom the project(s) were developed	
Name(s), Designation(s) & Address(es) of reference persons of client(s)	

10. Financial details of other business ventures of the applicant)

[To be filled in by the applicant or by each participant separately in case of JVC/ consortium (as applicable)]

General Information	
Names of Subsidiary Business Units	Products manufactured/ services provided
1.	1.
2.	2.
3.	3.
4.	4.
5.	5.

Financial Indicators	Year 1	Year 2	Year 3	Year 4	Year 5
Fixed Assets					
Gross Fixed Assets					
Accumulated Depreciation					
Net Fixed Assets					
Equity					
Promoters'					
Government/ Financial Institutions					
Public					
Others (specific)					
Liabilities					
Long Term					
Short Term					
Income					
Sale of Power					
Others					
Expenses					
Admin. & General Expenses					
Repairs & Maintenance Expenses					
Employee costs					
Interest & Financial Charges					
Long Term					
Short Term					

Others					
Financial Indicators	Year 1	Year 2	Year 3	Year 4	Year 5
Overall turnover (Rs. Lakhs)					
Profits & Returns (Rs. Lakhs)					
Net Profits					
Dividends Paid					
Operating Ratios					
Return on Equity					
Return on Capital Employed					
Return on Net Fixed Assets					
Liquidity Ratio					
Debt Service Coverage Ratio					
Current Ratio					
Quick Ratio					
Capital Adequacy & Creditworthiness					
Debt/ Net worth					
Debt/ Equity					

Turnover Ratio					
Total Asset Turnover					
Fixed Asset Turnover					

11. Baseline Information (Business for which Licence is sought)

General Information	

PART B LIST OF DOCUMENTS TO ACCOMPANY LICENCE APPLICATION

1. Information relating to pre-existing licence (if any), with copy of licence / sanction
2. Copies of Company's Articles of Association, Memorandum of Association, Partnership deeds and similar constitutional documents.
3. Certification of incorporation/registration.
4. Certification for commencement of business.
5. Original Power of Attorney of the Signatory to commit the Applicant or its Promoters.
6. Details of Income Tax registration.
7. Data relating to Management and Financial capability
 - a. Managerial
 - i. Senior management's curriculum vitae
 - ii. Cadre strength for different categories (technical and non-technical)
 - b. Financial
 - i. Bank references asserting that the Applicant is financially solvent
 - ii. Most recent Annual Financial Statements (Balance Sheet)

- iii. Annual Audited Accounts for the past 3 years for the Applicant and any Holding Company, Subsidiary or affiliated company
- iv. Any accompanying notes and certifications on the above statements from reputable chartered accountant
- c. Any other documentary evidence to substantiate the financial capabilities, technical competence and others.
- 8. Data relating to the Applicant's Business proposals
- 9. Five-year Business Plan (with projections) for the proposed business for which the application relates
- 10. Five-year annual forecasts of costs, , revenues, project financing and funding arrangements (clearly specifying the assumptions involved)
- 11. An affidavit that the Applicant is not engaged in the business of transmission of electricity

Date

Signature of the Applicant

APPENDIX -3

GENERAL CONDITIONS OF TRADING LICENCE

1 DEFINITIONS

1.1 Unless the context otherwise requires:

"Accounting Statement" means for each financial year, accounting statements for the Licensed Business comprising a profit and loss account, balance sheet and a statement of sources and application of funds, together with notes thereto as detailed under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and such other particulars and details in the manner as the Commission may direct from time to time. If the Trading Licensee engages in any business or activity in addition to the Licensed Business, the accounting statements shall comply with the regulations of the Commission dealing with the treatment of Other Business of Trader and show specifically the amounts of any revenue, costs, assets liabilities, reserves or provisions, which have been either:

- a. charged from the Licensed Business to any Other Business or *vice versa* together with a description of the basis of that charge; or
- b. determined by apportionment or allocation between the Licensed Business and any Other Business of the Trader together with a description of the basis of the apportionment or allocation.

"Annual Accounts" means the accounts of the Trader prepared in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 and/or in such other manner as may be directed by the Commission from time to time in terms of the provisions of the Act;

“Area of Activity” means the area of activity stated in the Trading Licence within which the Trader is authorised to trade;

“Auditors” means the Trader’s auditors holding office in accordance with the requirements of Sections 224 to 234A or Section 619, as appropriate, of the Companies Act 1956 (1 of 1956);

“Authorised”, in relation to any Person, business or activity, means authorised by licence granted under Section 14 of the Act or deemed to be granted under the first, second, third and fifth provisos to Section 14 of the Act or exemption granted under Section 13 of the Act;

“Deemed Licensee” means a person authorised under the first, second, third and fifth proviso to section 14 of the Act.

“Force Majeure” means events beyond the reasonable control of the Licensee, including, but not limited to earthquakes, cyclones, floods, storms, adverse weather conditions, war, terrorist attacks, civil commotion or other similar occurrences that lead to any act that would involve a breach of relevant laws or regulations concerned with electrical safety;

“Licensed Business” means the business of Intra-state Trading in electricity in the State/Union Territory as authorised under the licence;

“Other Business” means business of the Trader other than the Licensed Business;

“Specific Conditions” means the conditions in addition to or in variation of the General Conditions, which the Commission may lay down, specifically for a Trader;

“Trading Business” means the Authorised business of a Trader;

“Transmission Licensee” means the entity, which has been granted a Transmission Licence or is a deemed Licensee under the first, second, third or fifth proviso of Section 14 of the Act authorised to transmit electricity;

“Transfer” shall include the sale, exchange, gift, lease, licence, loan, securitisation, mortgage, charge, pledge or grant of any other encumbrance or otherwise permitting of any encumbrance to subsist.

2 TERM:

- 2.1 The Trading Licence shall come into force on the date specified by the Commission in the order granting the licence and subject to the terms and conditions of the grant of licence, shall remain in force for the period mentioned in the Order

3 COMPLIANCE WITH LAWS, RULES AND REGULATIONS

- 3.1 The Trader shall comply with the provisions of the Act, Rules, Regulations, orders and directions issued by the Commission from time to time and all other applicable laws.

3.2 The Trader shall act in accordance with these General Conditions except where the Trader is exempted from any provisions of these general conditions at the time of the grant of licence or otherwise specifically obtains the approval of the Commission for any deviation there from.

3.3 The Trader shall duly comply with and undertake the activities consistent with the State Grid Code, Distribution Code, Regulations and other codes and standards, order and directions of the National Load Despatch Centre, Regional Load Despatch Centre and the State Load Despatch Centre and other statutory authorities issued in the discharge of their functions.

4 ACTIVITIES OF THE TRADER

4.1 The Trader may engage in trading in the State...../ Union Territory of..... (Name of the Union Territory or the State Goa, as the case may be for which the License is granted).

Provided that in the event of sale or supply of electricity to consumer besides others the sales by the Trader shall be subject to payment of surcharge to meet the current level of cross-subsidy as provided in sub-section (2) of section 42 of the Act.

4.2 The Trader should have in place all agreements for the purchase and sale of electricity, and all necessary authorisations as required by the Trader to be able to perform its obligations under such agreements.

4.3 The Trader shall not undertake transmission and distribution of electricity to any Person in the State /Union Territory for which license has been granted to him. .

4.4 The Trader shall have in place the necessary agreements with the Transmission Licensees and Distribution Licensees for the transmission or wheeling of electricity, as the case may be.

4.5 The Trader shall not without the prior approval of the Commission:

(a) undertake any transaction to acquire by purchase or takeover or otherwise, the utility of any other Licensee;

(b) acquire any beneficial interest in any Generating Company or Generating Station, or

4.6 The Trader shall have in place Billing and Settlement Agreements between him and supplier(s) of energy including the generating companies; or between him and other Licensees, who are purchasers of electricity and also between him and the customers, who are traders or consumers.

4.7 The Trader shall seek approval of the Commission before making any loans to, or issuing any guarantee for any obligation of any person, except when made or issued for the purposes of the Licenced Business. Loans to employees pursuant to their terms of service and trade advances in the ordinary course of business are excluded from the requirement to seek such approval.

- 4.8 The Trader shall not at any time transfer or assign his License in any manner without the prior approval of the Commission.
- 4.9 If the contract of the Trader with his customer is for a fixed term, then prior to the expiry of the fixed term, the Licensee shall inform the customer as to when the expiry will occur and the tariffs and terms and conditions applicable to the customer beyond the expiry of the contract if the arrangement is continued.
- 4.10 The Trader shall maintain an up-to-date register or record of all the business transactions.

5 ACCOUNTS

- 5.1 Unless otherwise permitted by the Commission, the financial year of the Trader for the purposes of these General Conditions and matters relating to the licensed business shall run from the first of April in a year to the thirty-first of March in the succeeding year.
- 5.2 The Trader shall, in respect of the licensed business and any Other Business engaged in by the Trader:
- a. keep such accounting records as would be required to be kept in respect of each such business so that the revenues, costs, assets, liabilities, reserves and provisions of, or reasonably attributable to the Licensed Business are separately identifiable in the books of the Trader, from those of Other Business in which the Trader may be engaged;
 - b. prepare on a consistent basis from such accounting records and deliver to the Commission the Accounting Statement, namely,
 - i. in respect of the first six months of each financial year, a half-yearly profit and loss account, cash flow statement and balance sheet together with such supporting documents and information as the Commission may direct from time to time. Such statements and documents shall be published in the manner directed by the Commission;
 - ii. in respect of the Accounting Statements prepared, an Auditor's report for each financial year, stating whether in their opinion these statements have been properly prepared in accordance with this clause and give a true and fair view of the revenues, costs, assets, liabilities, reserves and provisions of, or reasonably attributable to such businesses to which the statements relate; and
 - iii. a copy of each half-yearly profit and loss account not later than three months after the end of the period to which it relates, and copies of the Accounting Statements and Auditor's report not later than six months after the end of the financial year to which they relate.
- 5.3 The Trader shall not normally change the basis of charge or apportionment or allocation of revenues or expenses in relation to the preparation of the Accounting Statements in respect of a financial year from those applied in respect of the

previous financial year, without prior intimation to the Commission. Any change, if proposed, in the basis of charge or apportionment of revenues or expenses shall be consistent with the provisions of the Companies Act, 1956, the Accounting Standards or Rules and any guidelines issued by the Commission in this regard.

5.4 Where, in relation to the Accounting Statements in respect of a financial year, the Trader has changed the basis of charge or apportionment or allocation from those adopted for the immediately preceding financial year, the Trader shall, if requested by the Commission, (in addition to preparing Accounting Statements on those bases which it has adopted), prepare such Accounting Statements on the basis which it applied in respect of the immediately preceding financial year.

5.5 The Accounting Statements under clause 5.2. above shall unless otherwise approved or directed by the Commission:

- (a) be prepared and published with the Annual Accounts of the Trader, in the manner provided in these General Conditions or in the Specific Conditions;
- (b) state the accounting policies adopted;
- (c) be prepared in accordance with generally accepted Indian accounting standards; and
- (d) be prepared in the form as the Commission may stipulate from time to time;

5.6 The references to costs or liabilities of, or reasonably attributable to Licensed Business or Other Business shall be construed as excluding taxation and capital liabilities which do not relate principally to such Business and interest thereon.

5.7 The Trader shall ensure that the Accounting Statements in respect of each financial year prepared under clause 5.2. and the Auditor's report in respect of each financial year are publicised in such manner as the Commission may direct and are made available to any Person requesting them at a price not exceeding the reasonable cost of duplicating them.

6

FURNISHING OF INFORMATION TO THE COMMISSION

6.1 The Trader shall furnish to the Commission without undue delay such information, documents and details related to the licensed business or any Other Business of the Trader, as the Commission may require for its own purposes or for the purposes of the Government of India, State Government, the State Transmission Utility, the State Load Dispatch Centre, the Central Commission and/or the Central Electricity Authority. The Trader shall duly maintain the information as the Commission may direct under section 128 of the Act.

6.2 The Trader shall within 3 months of the end of each financial year submit to the Commission a report indicating the activities undertaken during such financial year. The Trader shall, if so required by the Commission, publish a summary of the report in a manner approved by the Commission.

- 6.3 The Trader shall duly inform the Commission about any incident restricting it from meeting its obligations under the licence including any act of omission or commission by others and steps taken by the Trader to mitigate the effect of such incident. The Trader shall notify the Commission as soon as possible the occurrence of any other incident which materially affect any part of its Trading activities, and
- (a) by not later than two months from the date of such occurrence submit a report to the Commission giving full details of the facts within the knowledge of the Trader regarding the incident and its cause; and
 - (b) if the Trader requires more time to prepare the above said report, then the trader may furnish and state reasons as to why it requires more than two months for giving full report of such incident.
- 6.4 The Commission may by order, after providing an opportunity of hearing direct the Trader to provide such amount of compensation as the Commission may direct to persons who are affected or prejudiced by any act of commission, omission or negligence on the part of any of the employees or agents of the Trader .
- 6.5 The Trader shall also undertake such studies as the Commission may direct it to undertake from time to time in regard to the trading activities and any other matter concerning the licensed Business that the Commission considers necessary in the public interest. The Commission at its own discretion may require the submission of a report to be prepared by an independent person on the activities of the Trader at the cost and expense of the Trader.

7 CAPITAL ADEQUACYAND CREDITWORTHINESS

- 7.1 The Trader shall duly comply with the Regulations, Guidelines, Directions and Orders the Commission may issue from time to time in regard to the technical and financial parameters and norms to be maintained at all times by the Trader .
- 7.2 The non-maintenance of the technical and financial parameters as per sub-clause (1) above shall amount to a material breach of the obligations of the Trader

8 PAYMENT OF LICENCE FEES

- 8.1 Within such period as the Commission may direct, the Trader shall pay to the Commission the Licence Fees, initial and also periodic, mentioned in the Specific Condition and in such manner as the Commission may direct in the said Specific Condition
- 8.2 Where the Trader fails to pay to the Commission any of the fees due under clause 8.1 by the due dates:

- (a) without prejudice to other obligations, the Trader shall be liable to pay late payment surcharge /interest on the outstanding amount at the rate of 1.25 per cent per month part of the month shall be later as full month for the purpose, the interest being payable for the period beginning on the day after which the amount became due, and ending on the day on which the payment is made to the Commission in cleared funds; and
- (b) in the event of continued default by the Trader , the Commission may revoke the Trading Licence.

8.3 The Trader shall be entitled to take into account any fee paid under this clause 8, excluding however any interest paid for delayed payment, as an expense in the determination of aggregate revenues to be charged to the Tariffs.

9 TERMS OF REVOCATION

9.1 Subject to the provisions of section 19 of the Act and the provisions of the Joint Electricity Regulatory Commission for Goa & UTs (Electricity Trading) Regulations, 2010, the Commission may, at any time initiate proceedings against the Trader for revocation of the Trading Licence and if satisfied after such proceedings that the grounds exist for revocation, duly considering the public interest, revoke the Trading Licence:

- (a) where the Trader in the opinion of the Commission, makes material breach or wilful default in doing anything required of him by or under the Act or the rules or regulations made there under;
- (b) where the Trader violates any of the terms or conditions of his licence the breach of which is expressly declared by such licence to render it liable to revocation;
- (c) where the Trader fails, within the period fixed in this behalf by his licence, or any longer period which the Commission may have granted therefore -
 - i. to show, to the satisfaction of the Commission, that he is in a position to fully and efficiently discharge the duties and obligations imposed on him by his licence; or
 - ii. to make deposits or furnish the security, or pay the fees or other charges required by his licence;
- (d) where in the opinion of the Commission the financial position of the Trader is such that he is unable to fully and efficiently discharge the duties and obligations imposed on him;

- (e) where the Trader has failed to maintain the technical requirements, capital adequacy and creditworthiness specified by the Commission; and
- (f) has failed to comply with all the Regulations, codes, and standards and also orders and directions of the Commission or otherwise has committed an act which renders the Trading Licence revocable on any other grounds specified in the Act or the Rules or Regulations framed there under.

9.2 Where in its opinion the public interest so requires, the Commission may, on application, or with the consent of the Trader, revoke his licence as to the whole or any part of his area of Trading upon such terms and conditions as it thinks fit.

9.3 While revoking a Trading Licence the Commission may make such arrangement for discharging the duties of the Trader which the Commission considers necessary in public interest and all such arrangement shall be at the cost and risk of the Trader.

10 AMENDMENT OF LICENSE CONDITIONS

10.1 These General Conditions of License may be altered or amended by the Commission at any time it deems fit if it is in public interest in exercise of powers under Section 18 of the Act. For any such alteration or amendment, before any alterations or amendments in the Trading License are made, the following provisions shall have effect:

- (a) where the Trader has made an application under Section 18, sub-section (1) of the Act proposing any alteration or amendment in the General Conditions of License, the Trader shall publish a notice of such application with such particulars and in such manner as may be directed by the Commission;
- (b) where any alterations or amendments in a license are proposed to be made otherwise than on the application of the Trader, the Commission shall publish the proposed alterations or amendments with such particulars and in such manner as may be directed by the Commission; and
- (c) the Commission shall not make any alterations or modification unless all suggestions or objections received within thirty days from the date of the first publication of the notice have been considered.

11 DISPUTE RESOLUTION

11.1 The Commission shall be entitled to adjudicate upon the disputes or at its discretion nominate person(s) as arbitrator(s) to settle disputes between the Trader and any other licensees or between the Trader and generating companies in pursuance of clause (f) of sub-section (1) of section 86 read with section 158 of the Act.

12 TARIFF AND TRADING MARGINGS EXPECTED REVENUE CALCULATION AND TARIFFS

- 12.1 The Trader shall charge trading margin, in accordance with the provisions of the Act, the Regulations of the Commission, the tariff terms and conditions and other guidelines, orders and directions issued by the Commission from time to time.

13 MISCELLANEOUS

- 13.1 All issues arising in relation to interpretation of these General Conditions and as to the terms and conditions thereof shall be a matter for the determination of the Commission and the decision of the Commission on such issues shall be final, subject only to the right of appeal under section 111 of the Act.
- 13.2 The Commission may at the time of grant of Trading Licence waive or modify the application of any of the provisions of these General Conditions either in the order granting the licence or by Specific Conditions made applicable to a specific Trader
- 13.3 These General conditions shall apply to all Traders and also apply to all deemed Trading Licensees under Section 14 of the Act..